विशाल इण्डिया

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

सच्चाई की राह पर!

वर्ष : 13 | अंक : 126 | गौतमबुद्धनगर, शुक्रवार 05 अप्रैल 2024 | पृष्ठ : 08 मूल्य : 02 रूपये | आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236

P- 3

आवंटन पत्र जारी करें या नहीं, आयोग से मांगी

P- 4

गावों के चौराहों, खेतों और सार्वजनिक जगहों को निराश्रित गौवंशों ने बनाया

P- 5

एआई इनलूएंसर से लोगों में मची खलबली, लग रहा एआई से नौकरियां गंवाने

P- 6

आईपीएल 2024 : शीर्ष दस खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुए ऋषभ और

हैप्पी मॉर्निंग

परम सत्य ज्ञान... सर्वश्रेष्ठ योगासन- पत्नी कुछ कहे तो गर्दन दो बार ऊपर नीचे करें! फायदा- इससे आपका जीवन खुशहाल रहेगा। ध्यान दें- भूल से भी गर्दन दाएं-बाएं न करें, यह जानलेवा हो सकता है...!

शायरी

अनुभव की 'भट्टी' में जो तपकर जलते है,
दुनिया के बाजार में वही 'सिक्के' चलते है

अर्थसार

सेंसेक्स:
74,227.63
+350.81 (0.47%)
निफ्टी:
22,514.65
+80.00

मौसम

अधिकतम : 33 डिग्री से0
न्यूनतम : 20 डिग्री से
सूयोदय शनिवार : 6 : 20
सूर्यास्त शुक्रवार : 6 : 50

डेरा प्रमुख की हत्या का हुआ खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

हत्या दस लाख की सुपारी देकर पेशेवर शूटरों से करायी गयी

रूद्रपुर/नैनीताल। उत्तराखंड के नानकमत्ता स्थित गुरुद्वारा के डेरा प्रमुख की हत्या की गुत्थी विशेष जांच दल (एसआइटी) ने सुलझा ली है। हत्या दस लाख की सुपारी देकर पेशेवर शूटरों से करायी गयी। पुलिस ने हत्या की साजिश में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ऊधम सिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मंजूनाथ टी.सी. ने आज रूद्रपुर में इस मामले का खुलासा करते हुए बताया कि डेरा प्रमुख की हत्या गुरूद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब और तराई के अन्य गुरूद्वारों पर वर्चस्व कायम करने को लेकर की गयी। उन्होंने बताया कि हत्या कुछ महत्वपूर्ण लोगों के कहने पर करायी गयी। उन्होंने हालांकि अभी इसका खुलासा नहीं किया है। इसके लिये दस लाख की सुपारी दी गयी। पेशेवर शूटरों को पंजाब से बुलाया गया। जिन दो शूटरों को सुपारी दी गयी वे पेशेवर अपराधी हैं और उनके खिलाफ विभिन्न प्रदेशों में संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं। एसएसपी के अनुसार पूरी घटना को सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया और इसके लिये लंबी योजना बनायी गयी। इस साजिश में उप्र के शाहजहांपुर और पीलीभीत के दिलबाग सिंह, बलकार सिंह सतनाम सिंह, परगट सिंह और हरमिंदर सिंह उर्फ पिंदी को शामिल किया गया।

इन आरोपियों ने दस लाख रूपये की सुपारी देकर पेशेवर शूटरों की व्यवस्था की।

आईएसआई के 3 आतंकी गिरफ्तार

नेपाल के रास्ते भारत में कर रहे थे एंट्री; एक हिजबुल मुजाहिदीन से ले चुका है ट्रेनिंग

मोहम्मद अल्ताफ भट | सैय्यद गजनफर | नासिर अली

महराजगंज। भारत-नेपाल के सोनौली बॉर्डर से एटीएस ने तीन आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 2 पाकिस्तान और 1 कश्मीर का रहने वाला है। एटीएस को मिली खुफिया जानकारी के मुताबिक ये लोग पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई की मदद से भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में थे। गिरफ्तार आतंकियों में मोहम्मद अल्ताफ बट पाकिस्तान के रावलपिंडी का रहने वाला है।

सैयद गजनफर इस्लामाबाद का है। नासिर अली जम्मू कश्मीर का है। मोहम्मद अल्ताफ हिजबुल मुजाहिदीन के मुजफ्फराबाद स्थित कैंप में ट्रेनिंग ले चुका है। तीनों के पास से आधार कार्ड और पासपोर्ट भी बरामद किया गया है।

एटीएस ने बताया, अल्ताफ मुजफ्फराबाद कैंप से असलहों की ट्रेनिंग लेकर हिजबुल के हैंडलर के संपर्क में काम कर रहा था। हैंडलर ने ही अल्ताफ को नेपाल के रास्ते भारत पहुंचने का आदेश दिया था। नेपाल के काठमांडू में आईएसआई का हैंडलर मिला जिसने अल्ताफ के साथ सैयद गजनफर को फर्जी आधार कार्ड व अन्य दस्तावेज उपलब्ध करवाए, जिसकी मदद से तीनों भारत आए।

अफसरों से छुप रहे थे, शक होने पर पकड़ा

सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार रात सोनौली बॉर्डर पर इमिग्रेशन अफसर लोगों की जांच कर रहे थे। इसी बीच भारत जाने के लिए एक बस सीमा पर पहुंची। जांच करने के लिए जवान बस के अंदर घुसे। इस दौरान अफसरों को तीनों को एक्टिविटी संदिग्ध लगी। तीनों अफसरों से छुप रहे थे। इसके बाद अफसरों ने तीनों को हिरासत में ले लिया। जब डॉक्यूमेंट्स चेक किए, तो 2 पाकिस्तानी और 1 कश्मीरी युवक निकला। इसके बाद अफसरों ने इसकी सूचना यूपी एटीएस को दी। सूचना पर एटीएस के अफसर पहुंचे और तीनों को गिरफ्तार कर लखनऊ ले आए।

भारतीय नौसेना ने नौ समुद्री लुटेरों को पकड़ा

चालक दल के 23 पाकिस्तानी सदस्यों के साथ एक ईरानी नाव का अपहरण करने का आरोप

मुंबई। मुंबई पुलिस ने बुधवार को नौ समुद्री लुटेरों को गिरफ्तार किया, जिन्हें हाल ही में एक ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज का अपहरण करने के आरोप में भारतीय नौसेना ने पकड़ा था. सोमालिया तट से चालक दल के 23 पाकिस्तानी सदस्यों के साथ एक ईरानी नाव का अपहरण करने के आरोप में मुंबई पुलिस ने 9 समुद्री लुटेरों को गिरफ्तार कर लिया है।

भारतीय नौसेना ने 29 मार्च को समुद्री डकैती रोधी अभियान के तहत 12 घंटे से अधिक की कार्रवाई के बाद अपहृत ईरानी मछली पकड़ने वाले जहाज अल-कंबर और उसके चालक दल को बचा लिया था. इस ऑपरेशन में आईएनएस सुमेधा और गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट आईएनएस त्रिशूल शामिल थे। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने मीडिया से कहा, आईएनएस त्रिशूल 3 अप्रैल को मुंबई पहुंचा और भारतीय कानूनों, विशेष रूप से समुद्री डकैती रोधी अधिनियम 2022 के अनुसार आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सभी नौ समुद्री लुटेरों को स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने भी इसकी पुष्टि की और कहा कि येलो गेट पुलिस स्टेशन में आपराधिक साजिश, अपहरण और सबूतों को नष्ट करने, समुद्री डकैती विरोधी अधिनियम और शस्त्र अधिनियम से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

ड्रोन से 10 करोड़ की हेरोइन मिली

श्रीगंगानगर। हेरोइन ले जा रहे ड्रोन को बीएसएफ ने फायर कर गिरा दिया। ड्रोन से दो पैकिट में पौने दो किलो हेरोइन मिली है। जिसकी बाजार में कीमत लगभग दस करोड़ रुपए बताई जा रही है।

यह मामला अनूपगढ़ जिले के रायसिंहनगर इलाके के गांव चालीस पीएस का है। बीएसएफ के जवान हेरोइन तस्करों की तलाश में जुटे हैं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि ड्रोन कहां से उड़ाया गया और कहां जा रहा था।

गुरुवार सुबह साढ़े सात बजे बीएसएफ को आसमान में एक ड्रोन नजर आया। इस पर जवान अलर्ट हुए और ड्रोन की दिशा में फायर करने लगे। इस दौरान एक फायर में ही ड्रोन गिर गया। बाद में जवानों ने सर्च ऑपरेशन चलाया। जिसमें लगभग ढाई घंटे बाद अगल-अलग पैकिट में करीब पौने दो किलो हेरोइन मिली। जिसकी कीमत लगभग 10 करोड़ बताई जा रही है।

लापरवाही

10 दिन तक लाशें टैंक में तैरती रहीं, बदबू की शिकायत के बाद कार्रवाई

तेलंगाना के वॉटर टैंक में मिली 30 बंदरों की लाशें

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना के नलगोंडा जिले में बुधवार (3 अप्रैल) को एक पानी की टंकी में 30 बंदरों की लाश मिली। जिस टंकी में बंदरों की लाश मिली थी, उससे 200 घरों में पानी सप्लाई किया जाता था।

जानकारी के अनुसार, यह मामला नलगोंडा इलाके के नंदीकोंडा नगर पालिका वार्ड का है। यह मामला तब सामने आया, जब आसपास के रहने वाले लोगों ने पानी से बदबू आने की शिकायत की। शिकायत करने के बाद मामला दर्ज हुआ और जांच शुरू की गई।

लोगों का आरोप- जो हुआ, वह अधिकारियों की लापरवाही

पुलिस का कहना था कि जब जांच शुरू हुई तब उन्होंने देखा कि पानी में बंदरों की लाशें तैर रहीं थी। सभी लाशों को नगर निगम कर्मचारियों ने बाहर निकाला।

वार्ड लोगों का कहना है कि नलगोंडा में अधिकारियों की लापरवाही की वजह से ऐसा हुआ। मामले में जांच के दौरान पता चला कि यह घटना लापरवाही की वजह से हुई। 10 दिनों से बंदरों की लाशें टैंक के अंदर थीं।

टैंक का ढक्कन खुला रह गया था।

जब बंदर पानी पीने गए तो वे उसमें फंस गए और डूबने की वजह से उनकी मौत हो गई। फिलहाल विभाग लोगों के लिए पानी सप्लाई की व्यवस्था कर रहा है।

बीआरएस विधायक बोले- कांग्रेस सरकार का ध्यान राजनीति पर

तेलंगाना के पूर्व मंत्री और भारत राष्ट्र समिति के विधायक केटी रामाराव ने कहा कि रेवंत रेड्डी सरकार ने लोगों की सेहत से ज्यादा राजनीति पर ध्यान दिया। तेलंगाना नगर निगम में मामलों की कितनी खराब स्थिति है। समय-समय पर होने वाली साफ-सफाई के लिए बनाए प्रोटोकॉल को नजरअंदाज किया जा रहा है। वहीं, नलगोंडा जिले के नागार्जुन सागर हिल कॉलोनी में रहने वाले लोगों ने इस लापरवाही के लिए नगर निगम अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पूर्वोत्तर भारत में सात अप्रैल तक भारी बारिश के आसार

एजेंसी

नयी दिल्ली। देश के पूर्वोत्तर हिस्सों में सात अप्रैल तक गरज के साथ बारिश होने के आसार हैं। भारतीय मौसम विज्ञान केंद्र (आईएमडी) ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

अरुणाचल प्रदेश में चार से सात अप्रैल तक भारी बारिश और बर्फबारी होने के आसार हैं।

असम और मेघालय में पांच अप्रैल को भारी बारिश होने का अनुमान जताया गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अरुणाचल प्रदेश में छिटपुट गरज और बिजली के साथ काफी व्यापक से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है।असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में अगले सात दिनों के दौरान हल्की से मध्यम वर्षा होने के आसार हैं।

मौसम विभाग ने कहा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अगले दो दिनों के दौरान छिटपुट हल्की बारिश होने के आसार हैं और छह से 10 अप्रैल तक छिटपुट गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने का अनुमान है।

गंगीय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड में छह से नौ अप्रैल तक और बिहार में सात से आठ अप्रैल को गरज और बिजली के साथ छिटपुट बारिश होने के आसार हैं।

लखनऊ एयरपोर्ट तस्करी का हब बना

10 महीने में 72 गोल्ड स्मगलर, 90 दिन में 110 सिगरेट तस्कर पकड़े

लखनऊ। लखनऊ में एयरपोर्ट प्रशासन की कमी से 29 तस्कर फरार हो गए हैं। अब पुलिस की मदद से उनको खोजा रहा है। लेकिन, मौजूदा समय लखनऊ एयरपोर्ट सोने और सिगरेट की तस्करी का सबसे बड़ा अड्?डा बन गया है। पिछले 10 महीने यानी 300 दिन में सोने की तस्करी में 72 लोगों पकड़ा गया है। इनके पास से करीब 43 किलो सोना मिला है। वहीं, पिछले 90 दिनों में सिगरेट की तस्करी में 110 लोगों को पकड़ा गया है। इस दौरान सोने और सिगरेट के तस्करों से 36 करोड़ रुपए का माल बरामद हुआ है।

सभी दावों और सख्ती के बाद भी तस्करी नहीं रुक रही है। लखनऊ से 8 देशों के लिए सीधे हवाई सेवा है। साल-2016 में इसकी शुरुआत हुई थी, लेकिन सुविधा के साथ-साथ एयरपोर्ट पर तस्कर भी सक्रिय होते जा रहे हैं।

मई 2023 से अब तक 27 करोड़ रुपए का सोना पकड़ा

मई 2023 से 2 अप्रैल तक 72 मौके आए जब सोने की तस्करी पकड़ी गई है। इस दौरान 43 किलो सोना बिना कस्टम और जीएसटी दिए ही दूसरे देशों से भारत में लाने की तैयारी थी, जिसको पकड़ा जा सका है। मौजूदा समय बाजार में इस सोने की कीमत करीब 27 करोड़ 9 लाख 55 हजार 833 रुपए है। बड़ी बात यह है कि सभी सोना खाड़ी देशों से लाया गया था। लाने वाले ज्यादातर लोग यूपी रामपुर के टांडा, बिहार और राजस्थान के हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस समय एयरपोर्ट पर बिहार और राजस्थान दो राज्यों के तस्कर सक्रिय हैं। इसमें पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और गोरखपुर होते माल बिहार जाता है। जबकि आगरा और यमुना एक्सप्रेस-वे होते माल राजस्थान पहुंच रहा है।

60 लाख सिगरेट पकड़ी गई, कल भी 5 तस्कर पकड़े गए

सोने के साथ-साथ सिगरेट की तस्करी भी बढ़ी है। गुरुवार को बैंकॉक से लखनऊ एयरपोर्ट पहुंचे 5 यात्रियों के बैग से सिगरेट की डिब्बी बरामद हुई। इनमें 2 लाख 12 हजार 400 सिगरेट थी। कस्टम के मुताबिक, इसकी कीमत 36 लाख 10 हजार 800 रुपए है। ऐसे में पिछले तीन महीने में करीब 60 लाख सिगरेट पकड़ी गई है। 3 महीने में बरामद सिगरेट की वैल्यू करीब 8 करोड़ 88 लाख रुपए आंकी गई है। इसमें कुछ विदेशी सिगरेट और गोल्ड फ्लैक ब्रांड शामिल है। इनके माध्यम से भी कस्टम की चोरी होती है। इसमें विदेशी ब्रांड वाली सिगरेट इंडिया में बेचने की अनुमति नहीं है।

4 दिन में ही पकड़े गए 66 सिगरेट तस्कर

एक से 4 अप्रैल तक ही 66 लोगों को सिगरेट की तस्करी के साथ पकड़ा गया है। यह लोग करीब 4 करोड़ 86 लाख रुपए से ज्यादा का माल लेकर आए थे। इसमें एक टीम में 36 लोग एक अप्रैल को पकड़े गए। 2 अप्रैल को 25 लोग पकड़े गए। फिर 4 अप्रैल को 5 लोग पकड़ गए। बड़ी बात यह है कि एक अप्रैल को पकड़े गए 36 में 29 लोग एयरपोर्ट प्रशासन और सीआईएसएफ की कस्टडी से फरार भी हो गए। इसका सरोजनीनगर थाने में मुकदमा भी दर्ज कराया गया है।

कोचिंग राष्ट्र बनने की दिशा में देश

शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 2023, ग्रामीण भारत के 14 से 18 वर्ष की आयु के युवाओं के बीच शिक्षा के निराशाजनक परिदृश्य पर रोशनी डालती है। पढ़ने के कौशल में आठवीं कक्षा के 30 फीसदी ग्रामीण छात्र दूसरी कक्षा के मानक पाठ नहीं पढ़ सकते। इसी तरह अंकगणित कौशल में आठवीं कक्षा के 55 फीसदी ग्रामीण छात्र बुनियादी भाग करने में असमर्थ थे। जबकि अंग्रेजी समझ एवं कौशल में, आठवीं कक्षा के आधे ग्रामीण छात्र आसान वाक्यों को पढ़ने में असमर्थ थे और जो पढ़ सकते थे, उनमें से लगभग एक तिहाई छात्र अर्थ बताने में असमर्थ थे।

स्कूली शिक्षा में सीखने के अपर्याप्त परिणामों को देखते हुए समकालीन भारत में कोचिंग संस्थानों का विस्तार होना स्वाभाविक है। शिक्षा की वार्षिक स्थिति रिपोर्ट 2022 ने बताया कि कक्षा एक से आठवीं तक के 30.5 फीसदी ग्रामीण छात्र सशुल्क निजी कोचिंग कक्षाएं ले रहे थे। स्कूली शिक्षा में मूलभूत कौशल और गहन सोच कौशल की कमी के कारण निजी कोचिंग पर निर्भरता जरूरी हो गई है। जैसे-जैसे छात्र उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं, कोचिंग पर निर्भरता बढ़ती जाती है। भारत एक कोचिंग राष्ट्र में बदल गया है, न केवल महानगरीय शहरों में, बल्कि छोटे शहरों में भी।

सरकारी नौकरियों की इच्छा, जो सामाजिक सुरक्षा के साथ आती है, शायद ग्रामीण छात्रों को आगे बढ़ने के लिए यही एकमात्र रास्ता हो। भारत के 91 फीसदी कार्यबल अनौपचारिक रोजगार में है, जिसे सामाजिक बीमा के बिना रोजगार के रूप में परिभाषित किया गया है, अर्थात वृद्धावस्था पेंशन, मृत्यु/विकलांगता बीमा, स्वास्थ्य और मातृत्व लाभ इत्यादि से वंचित रोजगार।

वर्ष 2022-23 में स्नातकों के लिए बेरोजगारी दर 13.4 फीसदी और स्नातकोत्तर और उससे ऊपर के लोगों के लिए 12.1 फीसदी रही, जो राष्ट्रीय औसत बेरोजगारी दर 3.2 फीसदी (15 वर्ष और उससे अधिक आयु) से लगभग चार गुना है।

भारत में बेरोजगारी की स्थिति एक प्रमुख सामाजिक मुद्दा बनी हुई है। अगर नौकरियां नहीं मिलेंगी, तो छात्र कहां जाएंगे? वर्ष 2017-18 से 2022-23 की अवधि में कृषि क्षेत्र में छह करोड़ श्रमिकों की वृद्धि हुई है! आखिरी पीएलएफएस जुलाई, 2022 और जून, 2023 के बीच भी 80 लाख श्रमिकों को कृषि में जोड़ा गया था। निजी नौकरियों में रोजगार की अनिश्चितता को देखते हुए यह उनकी मजबूरी ही थी।

अधिकांश सरकारी नौकरियों के लिए भी परीक्षा में अंग्रेजी कौशल मुख्य घटकों में से एक है। जबकि आबादी की मुख्य भाषा और स्कूली शिक्षा का माध्यम हिंदी बनी हुई है। प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए अंग्रेजी कौशल की आवश्यकता होती है, जिसके लिए कोचिंग अपरिहार्य हो जाती है।

माता-पिता की उम्मीदें ऊंची बनी हुई हैं और उम्मीदवारों को प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग लेने के लिए प्रेरित किया जाता है। सफलता और विफलता को परिभाषित करने में कोचिंग एक महत्वपूर्ण कारक साबित हो सकती है।

सभ्य गैर-कृषि रोजगार की अनुपलब्धता, रुकी हुई सरकारी नौकरियां और सीमित सरकारी नौकरियों के साथ-साथ उच्च शिक्षा के लिए युवाओं के बीच अभूतपूर्व प्रतिस्पर्धा है, जिसने छात्रों को ट्यूशन और कोचिंग में धकेल दिया है। कुल मिलाकर, शिक्षा का मौलिक अधिकार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार में तब्दील नहीं हुआ है, इसलिए निजी ट्यूशन और कोचिंग संस्थान तेजी से बढ़ रहे हैं। कोचिंग संस्थान लंबे समय तक एक अनियमित बाजार बने रहे, और कई शिकायतों और छात्रों की आत्महत्याओं के बाद ही सरकार कोचिंग सेंटरों को संचालित करने के लिए दिशा-निर्देश लेकर आई है। 'कोचिंग सेंटर का पंजीकरण और विनियमन, 2024' दिशा-निर्देश कोचिंग सेंटरों को भ्रामक वादे करने या सफलता की गारंटी देने से रोकते हैं।

वोट में तब्दील होने वाले मुद्दों की तलाश बड़ी चुनौती

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

एक बात और चुनाव घोषणा पत्रों में मुफ्त की सुविधाओं की भरमार भी अब लोगों को अधिक लुभाने वाली नहीं लगती। कारण साफ है इससे एक और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कर देने वाला अपने को ठगा समझने लगा है, वहीं लाभार्थी इसे राजनीतिक दलों की कमजोरी समझने लगा है।

18 वीं लोकसभा के चुनावों का बिगुल बज चुका हैं वहीं पहले चरण की 102 सीटों के लिए नामांकन का कार्य पूरा होने के साथ ही एनडीए ने 31 मार्च को मेरठ और इंडी गठबंधन ने नई दिल्ली से चुनावी केंपेन का आगाज कर दिया है। लोकसभा के सातों चरणों के मतदान तक राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव रैलियों, रोड़ शो सहित विभिन्न मंचों से एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी रहेगा। सौ टके का सवाल यह है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के चुनावों में चुनाव अभियान के दौरान आखिर मुख्य मुद्दे क्या बनेंगे ? हाल ही पांच विधान सभा चुनावों के दौरान गांरटियों की खूब चर्चाएं रही। एक तरफ गांरटियां थी तो दूसरी और बीजेपी ने मोदी को ही गारंटी बताकर प्रचारित किया। दरअसल देखा जाएं तो पिछले कुछ चुनावों से चाहे वे लोकसभा के हो या विधानसभाओं के चुनाव हो, सीधे जनता से जुड़े मुद्दें तो कहीं नेपथ्य में ही रह जाते हैं। तस्वीर का एक पक्ष यह भी है कि जनता से जुड़े मुद्दों को आमजनता भी अब मुद्दे या चुनावी एजेंडा नहीं मानने लगी है। इसका कारण भी कुछ और ही होता जा रहा है। किसी जमाने में गरीबी हटाओं या भ्रष्टाचार मिटाओं या महंगाई या बेरोजगारी तो सकारात्मक प्रचार अभियान में विकास की बात आदि मुद्दे महत्वपूर्ण होते थे पर अब देखा जाए तो यह मुद्दे वोट में तब्दील नहीं हो पा रहे हैं। पिछले चुनावों के अनुभव हमारे सामने हैं। दर असल अब नकारात्मक प्रचार राजनीतिक दलों पर उलटा पड़ने लगा है। पिछले दो लोकसभा के चुनावों में चौकीदार, सेना के साक्ष्य, चाय वाला आदि ऐसे वक्तव्य रहे जिसका जितना अधिक उपयोग हुआ वह भाजपा और नरेन्द्र मोदी के पक्ष में ही गया। दरअसल अब वोट विश्वसनीयता यानी की भरोसे और वोल्डनेस पर पड़ने लगे हैं। एक बात यह भी महत्वपूर्ण हो जाती है कि आजादी के 75 साल बाद भी किसी दल का वोट प्रतिषत 50 प्रतिशत का आंकड़ा छू नहीं पाया है। दूसरी और चुनाव आयोग द्वारा लाख प्रयासों के बाद भी 100 में से 33 प्रतिशत मतदाताओं को मतदान केन्द्र पर मतदान के लिए ले जाने में हम सफल नहीं हो पा रहे हैं। खैर यह अलग विचारणीय मुद्दे हैं।

विपक्ष के प्रयास है कि सत्तारुढ़ द्वारा संबैधानिक संस्थाओं यथा ईडी, आईटी आदि जांच एजेंसियों का हथियार के रुप में उपयोग, चुनावी बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि को प्रभावी तरीके से चुनावी मुद्दा बनाया जाये पर अभी तक जो दिखाई दे रहा है उसमें साफ है कि यह मतदाताओं को प्रभावित करने वाले मुद्दे बन नहीं पा रहे हैं। इसका एक प्रमुख कारण तो विपक्षी खासतौर से इंडी के दलों का जुड़ना बिखरना जारी है। एक तरफ ममता पं.बगांल में कांग्रेस द्वारा वामपंथी दलों के साथ तालमेल कर चुनाव लड़ने को खुले आम भाजपा को लाभ बताने वाला निर्णय बता रही हैं वहीं बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली में कांग्रेस का छोटे पार्टनर के रुप में सामने आने, पंजाब में आप से सीटों के बंटवारें को लेकर समझौता ही नहीं होने, बसपा का अलग रुख, अजित जनता दल का बीजेपी के साथ आना, ओडीसा में बीजद सहित विरोधाभास सामने आ रहे हैं। वहीं दिल्ली की रैली से साफ हो जाता है कि विपक्ष का जो पैनापन होना चाहिए था वह लगभग असरदार नहीं दिखा।

चुनावी बॉण्ड का मुद्दा जिस तरह से उछला वह अपनी धार नहीं दिखा पाया क्योंकि चुनावी चंदा सभी ने लिया चाहे वो कम हो या ज्यादा। दूसरी बात आमजन का यह सोच माना जा सकता है कि सभी राजनीतिक दल चुनावी चंदा लेते हैं और साफ है कि इसका फायदा सत्तारुढ़ दल को अधिक ही मिलता है। चंदा देने वाला अपने निहितार्थ देखता है और यही कारण है कि वह सत्तारुढ़ दल को अधिक चंदा देता है। इसलिए जिस तरह से यह बड़ा मुद्दा बनने की संभावना देखी जा रही थी वह कहीं पीछे ही रह गई। इसी तरह से केजरीवाल सहित आप नेताओं पर ईडी छापों और जेल का मुद्दा भी अधिक असर दिखाता नहीं लग रहा। इसका कारण भी साफ है कि केजरीवाल जो भ्रष्टाचार के खिलाफ ही सत्ता में आये थे पहलीबात तो उनके नेताओं पर शराब ठेकों में भ्रष्टाचार के आरोप लगे, दूसरी और बार बार सम्मन आने पर भी रेस्पांस नहीं करने और गिरफ्तारी के बाद भी पद पर बने रहने का आमजन में अभी तो नकारात्मक असर ही दिखाई दे रहा है। इस मामलें में लोग लालू की बड़ाई करने लगे हैं कि लालू ने गिरफ्तार होते ही अपना पद त्याग दिया और भले ही राबड़ी देवी को मुख्यमंत्री बनाया पर पद की गरिमा को तो बनाये रखा। केजरीवाल द्वारा बार बार सम्मन की अवहेलना करने और त्यागपत्र नहीं देने से लोगों में केजरीवाल के पदलोलुपता का संदेश गया अन्यथा निश्चित रुप से केजरीवाल के प्रति सहानुभूति होती और इसका लाभ समस्त विपक्ष को मिलता पर लगता है एक अच्छा अवसर खो दिया गया है।

अब सवाल महंगाई को लेकर आता है तो महंगाई किसी जमाने में अपना असर दिखाती थी और प्याज के भाव बढ़ने के कारण सरकार को जाते हुए हमनें देखा है पर लगता है अब यह मुद्दा भी कुंद पड़ता जा रहा है। इसका कारण है बेरोजगारी और मंहगाई को जिस तरह से विपक्ष को चुनावी इशु बनाना चाहिए था उसमें वह सफल नहीं हो पा रही हैं इस चुनाव में किसानों का मुद्दा तो अभी तक दिखाई ही नहीं दे रहा। एक बात और चुनाव घोषणा पत्रों में मुफ्त की सुविधाओं की भरमार भी अब लोगों को अधिक लुभाने वाली नहीं लगती। कारण साफ है इससे एक और प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष कर देने वाला अपने को ठगा समझने लगा है, वहीं लाभार्थी इसे राजनीतिक दलों की कमजोरी समझने लगा है। चुनावी बॉण्ड भी इसलिए अधिक बड़ा मुद्दा नहीं बन पा रहा कि कमोबेस सभी दलों को चंदा मिला है। किसी ने भी इस तरह से चंदा लेने से ना नहीं किया। दूसरी और जहां तक आमआदमी का प्रश्न है वह जानता है कि चुनावी चंदा देने वाले पैसे वाले प्रभावशील लोग हैं। आमआदमी तो इतना चंदा देने से रहा। यह भी जानते हैं कि चुनावों के लिए चंदा लिया ही जाता है। दूसरी और मजे की बात यह है कि चंदा पैसों वालों से लेने के बावजूद आममतदाताओं को साधनें में सत्तारुढ़ दल सफल रहा है। साफ है कि चंदा देने वालों के वोट गिनती के ही होते हैं।

साफ है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव प्रचार अभियान में संवैधानिक संस्थाओं के उपयोग, चुनाव बॉण्ड, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार आदि मुद्दें अधिक चलने वाले नहीं हैं। राम मंदिर, धारा 370 या इसी तरह के अन्य मुद्दों को विपक्ष उठाता भी है तो इसका लाभ भारतीय जनता पार्टी को ही मिलेगा।

ऐसे में विपक्ष को चुनावी वैतरणी पार करने के लिए कोई ठोस मुद्दें खोजने होंगे। हवा हवाई या चलताउ भाषणों, आरोप प्रत्यारोप से पार पाना मुश्किल रहेगा। राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि इस बार के चुनाव दस नेताओं के इर्द गिर्द रहेंगे इनमें नरेन्द्र मोदी, अमित शाह, राहुल गांधी, खड़गे, शरद पंवार, ममता बनर्जी, नीतिश कुमार, तेजस्वी यादव, स्टालीन, असदुद्दिन ओवैसी आदि दशा और दिशा तय कर पायेंगे। पर मेरा मानना है कि 18 वीं लोकसभा के चुनाव नरेन्द्र मोदी के इर्द गिर्द ही रहने वाला है। विपक्ष का निशाना नरेन्द्र मोदी ही रहेंगे और इसका उजला या स्याह पक्ष यह है कि विपक्ष जितना अधिक नरेन्द्र मोदी के नाम का उच्चारण करेगा उसका उतना ही अधिक लाभ नरेन्द्र मोदी और भाजपा को मिलेगा। पिछले दो लोकसभा के चुनाव परिणाम तो यही बताते हैं। ऐसे में विपक्ष को अलग ही तरह की रणनीति बनानी होगी।

विपक्ष को सकारात्मक रणनीति बनानी होगी अन्यथा नकारात्मकता को तो नरेन्द्र मोदी को अपने पक्ष में करने की महारत हैं। लोक सभा के पिछले दो चुनाव और गत दस सालों के विधानसभाओं के चुनावों के परिणाम सबके सामने हैं ऐसे में विपक्ष के सामने सबसे बड़ी चुनौती भाजपा को घेरने की है और इसके लिए उसे पूर्व अनुभवों को ध्यान में रखते हुए प्रभावी रणनीति बनानी होगी। रैलियों, सभाओं में प्रमुख नेताओं को भाषणों-वक्तव्यों के दौरान सावधानी बरतनी होगी तभी मोदी जी से पार पाया जा सकता है। यह साफ साफ समझ लेना होगा। इसमें कोई अतिशयोक्ति भी नहीं है कि मोदी जी विपक्षी नेताओं द्वारा कही गई बात को तत्काल अपने पक्ष में भुनाने में सिद्धहस्त है, ऐसे में विपक्ष के सामने प्रमुख चुनौती चुनाव अभियान के दौरान अपनों के बीच समन्वय व समझ बनाये रखनी है तो जनमानस को प्रभावित करने की रहेगी तो मोल तोल के बोल पर भी अधिक ध्यान देना होगा।

टाईम पास

राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कोई ऐसा मामला नहीं था, जिसका अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर कोई बुरा और व्यापक असर पड़ता हो। यहां की जांच एजंसियों ने कानून के दायरे में रहते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की और उसको केजरीवाल की तरफ से अदालत में चुनौती भी दी गई है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों की टिप्पणियों पर भारत सरकार ने सख्त एतराज जताया था। अब विदेशमंत्री ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आगाह किया है कि उन्हें भारत के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप से परहेज करना चाहिए, नहीं तो इसका बहुत कड़ा जवाब मिलेगा। आमतौर पर अपेक्षा की जाती है कि हर राष्ट्र दूसरे राष्ट्र की संप्रभुता का सम्मान करे और उनके आंतरिक मामलों में दखल देने से परहेज करे, मगर अक्सर देखा जाता है कि कमजोर देशों के मामलों में ताकतवर देश हस्तक्षेप करने का प्रयास करते हैं। इसी आदत के चलते जर्मनी, अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों ने भारत सरकार को लोकतांत्रिक मूल्यों का पाठ पढ़ाने की कोशिश की थी।

ऐसा नहीं माना जा सकता कि उन राजनयिकों को इस बात की जानकारी नहीं थी कि भारत किस कदर भ्रष्टाचार और धनशोधन संबंधी मामलों को लेकर गंभीर है। ऐसे मामलों के आरोपियों के खिलाफ सख्त कदम उठाता है। फिर भी उन्होंने अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर टिप्पणी की तो उससे यही जाहिर हुआ कि वे भारत के विपक्षी दलों के सुर में सुर मिला रहे हैं। उनकी टिप्पणियों से विपक्षी दलों को सरकार की आलोचना करने का आधार मिल गया था।

यह ठीक है कि यह पहला मौका था जब किसी मुख्यमंत्री को पद पर रहते हुए गिरफ्तार किया गया। उस गिरफ्तारी में समय के चुनाव को लेकर भी सवाल उठे, क्योंकि तब तक आम चुनाव की तारीखों की घोषणा हो चुकी थी। इस तरह चुनाव में सभी राजनीतिक दलों को समान सुविधाएं और अवसर उपलब्ध कराने का सैद्धांतिक पक्ष बाधित नजर आने लगा। मगर इस पर नजर रखने और कार्रवाई करने का अधिकार भारत के निर्वाचन आयोग और अदालतों को है, न कि संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका या जर्मनी के किसी राजनयिक को।

यह भी ठीक है कि हर देश अपने राजनयिकों के जरिए दूसरे देशों की राजनीतिक गतिविधियों पर नजर रखता, वहां के चुनावों की खोज-खबर लेता रहता है, मगर वह चुनाव प्रक्रिया या वहां के राजनीतिक विवादों में पक्षकार की तरह शामिल नहीं हो सकता। वैसे भी अमेरिका, जर्मनी और संयुक्त राष्ट्र पर अनेक बार सवाल उठते रहे हैं कि वह अपने मित्र राष्ट्रों में हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन तक पर चुप्पी साधे रहते हैं। फिलिस्तीन के खिलाफ नियम-कायदों को ताक पर रख कर चलाई जा रही इजराइल की कार्रवाइयों पर वे क्यों मुखर होकर नहीं बोलते या तन कर खड़े होते!

अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी कोई ऐसा मामला नहीं था, जिसका अंतरराष्ट्रीय समुदाय पर कोई बुरा और व्यापक असर पड़ता हो। यहां की जांच एजंसियों ने कानून के दायरे में रहते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की और उसको केजरीवाल की तरफ से अदालत में चुनौती भी दी गई है। उसके गलत या सही होने का निर्णय अदालत को करना है। उनके पहले भी इसी मामले में कई दूसरे नेता गिरफ्तार किए जा चुके थे। अमेरिका, जर्मनी, संयुक्त राष्ट्र या किसी भी दूसरे देश को उसमें हस्तक्षेप करने का कोई तुक नहीं बनता।

हर देश की अपनी संप्रभुता है और वह अपने नियम-कायदों, कानूनों के जरिए चलता है। संयुक्त राष्ट्र को उसके किसी फैसले पर तभी कोई टिप्पणी करने का हक है, जब उससे अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन होता हो। इसलिए भारत के विदेश मंत्रालय ने उचित ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी टिप्पणियों के प्रति आगाह किया है।

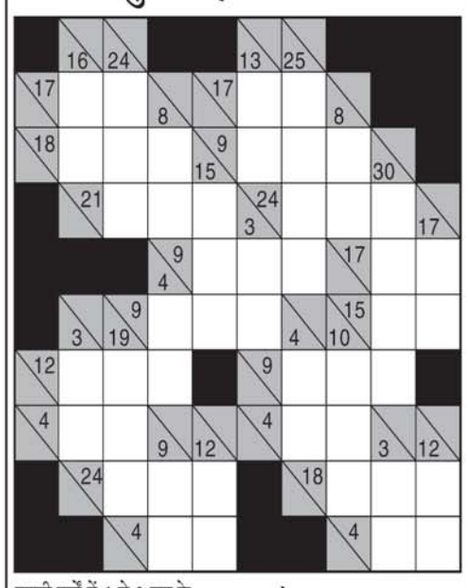

काकुरो पहेली - 3142

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

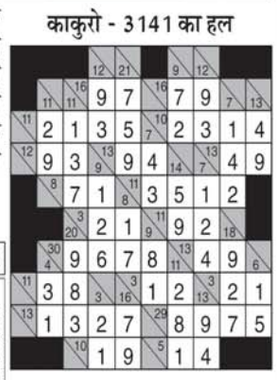

उदाहरणत:

5+6+7+8+9=35
4+6+7+8+9=34
5+7+8+9=29
6+7+8+9=30

काकुरो - 3141 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला-'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो. जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला-'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा-'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला-'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला. वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था-'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

□ □ □

महिला-'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी-'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला-'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3142

बायें से दायें:-

१. अनिल कपूर, श्रीदेवी, उर्मिला की 'हो मुझे प्यार हुआ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'मन क्यों बहका रे' गीत वाली फिल्म-३
५. जैकी, संजयदत्त, रवीना की 'याइला रे लड़की मस्त मस्त' गीत वाली फिल्म-२
६. 'छोटा बच्चा जानके' गीतवाली फिल्म-३
७. अक्षय, जैकी, सुनील, रवीना, लारा की 'कोई प्यार ना करे' गीतवाली फिल्म-२
८. फिल्म 'चलते चलते' में नायिका-२
९. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की 'जिया जले जान' गीत वाली फिल्म-२,१
११. 'खुल गया नसीब देखो साला' गीत वाली सुनील शेट्टी, पूजा की फिल्म-२
१२. अमिताभ, फरदीन, करीना की 'जब नहीं आये थे' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'भैया मेरे पापा को' गीत वाली मनोज बाजपेयी, रवीना टंडन की फिल्म-२
१४. बिश्वजीत, माला सिन्हा की 'अकेला हूँ मैं' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'तेरी दुनिया से दूर' गीत वाली महीपाल, श्यामा की फिल्म-३
१८. कंवलजीत, वहीदा रहमान की 'पर्वतों के पेड़ों पर' गीत वाली फिल्म-३
२०. मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
२१. राजेशखन्ना, मुमताज की 'गोरे रंग पे ना इतना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२
२३. देव आनंद, माला की 'कोई सोने के दिल वाला' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मेरी उमर के नौजवानों' गीत वाली ऋषिकपूर, टीना मुनीम की फिल्म-२
२८. नसीर, आमिर, सोनाली की 'होशवलों को खबर' गीत वाली फिल्म-५
२९. 'प्रहार' में डिम्पल के साथ नायक ?-२
३०. गोविंदा, नीलम की 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली फिल्म-२
३१.'मैं क्या करूं राम' गीतवाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'जब कोई बात बिगड़ जाये' गीत वाली विनोद खन्ना, मीनाक्षी शेशद्रि की फिल्म-२
२. संजीवकुमार, लीना चंदावरकर की 'पैसे बिना प्यार फिजूल है' गीत वाली फिल्म-३
३. 'इन आँखों की मस्ती के' गीत वाली नसीर, फारूख शेख, रेखा की फिल्म-४,२
४. राजकुमार, सुनीलदत्त, साधना, शर्मिला की 'हम जब सिमट' गीत वाली फिल्म-२
५. 'दो प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-३
७. जैकी श्रॉफ, जूही, अमृता की 'मेरी बन्नो की' गीत वाली फिल्म-३
९. 'शाम है धुआं धुआं' गीत वाली अजय देवगन, मधु, सोनाली बेंद्रे की फिल्म-४
१०. विनोद खन्ना, नीतूसिंह की 'बनके संवरके मैं निकली' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'अगर जिंदगी हो तेरे' गीत वाली अविनाश वधावन, आयशा की फिल्म-३
१७. गुरूदत्त, आशा पारेख की 'वो दिल कहाँ से लाऊं' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'दुनिया हसीनों का मेला' गीत वाली बॉबी, मनीषा, काजोल की फिल्म-२
२०. संजीवकुमार, रेहाना सुल्तान की फिल्म-३
२४. 'छू कर मेरे मन' गीत वाली अमिताभ, अमजदखान, नीतूसिंह की फिल्म-३
२५. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'तू लाली है सवेरे वाली' गीत वाली विनोद मेहरा, सायराबानो की फिल्म-३
२८. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की 'मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-४
२९. संजयदत्त, कुमार गौरव, पूनम की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3141

स्व	दे	श		स	ड़	क		आ	ह
र्ग		रा	हु	ल		स	र	ग	म
	बॉ	बी		मा	लि	क			जो
अ	क्स		डॉ	न			जं	ग	ली
ध	र	ती		खा	मो	शी		र्व	
र्म		स		न		बा	जी		का
	क	री	ना		प		त	ला	श
स		क		सू	र	ज		वा	
प	ड़ो	स	न		वा		बा	रि	श
ने		म		गु	ना	ह		स	

सूडोकु -3142

3	9				1			
5	4			6	8		1	3
		1		7		9	5	
	8	9		5	3		4	7
6	1		4	9		2	3	
	3	4		1		8		
7	5		8	3			2	4
			6				7	9

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3141 का हल

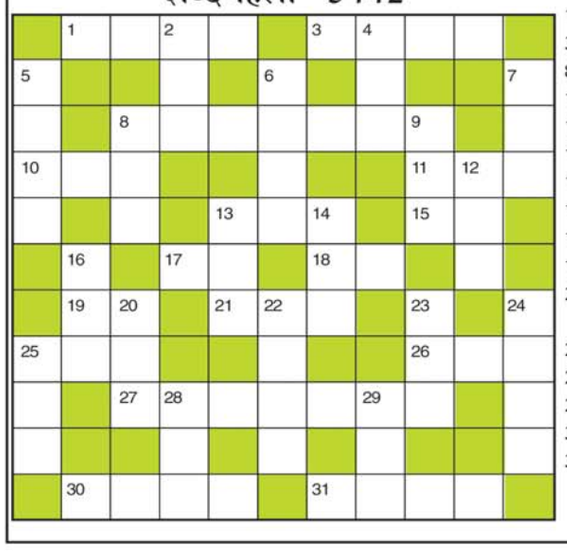

9	6	2	3	4	1	7	5	8
1	4	8	9	7	5	6	2	3
5	7	3	2	6	8	1	4	9
3	2	1	6	9	4	8	7	5
4	8	7	5	1	2	9	3	6
6	9	5	8	3	7	4	1	2
8	3	4	7	2	6	5	9	1
2	1	6	4	5	9	3	8	7
7	5	9	1	8	3	2	6	4

शब्द पहेली - 3142

बाएँ से दाएँ

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -3141 का हल

प्राधिकरण ने बकायेदारों के साथ की बैठक

30 बड़े बकायेदारों ने समस्याओं से कराया अवगत, पैसा जमा नहीं करने के बारे में दिया जवाब

नोएडा। ग्रुप हाउसिंग के बाद अब नोएडा प्राधिकरण कॉमर्शियल बकायेदारों से पैसा वसूलने की तैयारी में है। इनका करीब 8 हजार करोड़ रुपए बकाया है। गुरुवार को पहली बार कॉमर्शियल बड़े बकायेदारों के साथ प्राधिकरण के सीईओ लोकेश एम ने बैठक की। इस दौरान अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी संजय खत्री और ओएसडी मौजूद रहे। बैठक में 30 बड़े कॉमर्शियल प्रोजेक्ट के बकायेदार शामिल हुए। जिन्होंने अपनी समस्या प्राधिकरण के सामने रखी। सोमवार से एक एक केस की स्टडी की जाएगी। जिसके बाद पैसा जमा करने का टाइम दिया जाएगा।

प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि इन लोगों ने करीब 2 साल से प्राधिकरण में पैसा जमा नहीं कराया। इनके मूलधन पर काफी ब्याज लग चुका है। इसलिए आज इनको बुलाया गया और पैसा जमा नहीं करने का कारण पूछा गया। अधिकांश बकायादार ने एनजीटी का हवाला देते हुए जीरो पीरियड की मांग की। इसके अलावा कुछ ने लॉकडाउन का हवाला दिया। इन बकायादार में कोर्ट केस और एनसीएलटी के बकायादार भी शामिल थे। कुछ ने प्राधिकरण के कैलकुलेशन पर सवाल खड़े किए। ऐसे में सीईओ लोकेश एम ने केस टू केस स्टडी करने का निर्देश दिया।

सीईओ ने कहा कि सभी बड़े बकायादार सोमवार को अपने केस फाइल के साथ प्राधिकरण आए। इनकी समस्या सुनी जाएगी और एक एक बकायादार को उनका हिसाब और समस्या के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

लेकिन सभी को बकाया जमा करना ही होगा। बता दे इससे पहले ग्रुप हाउसिंग में अमिताभ कांत की सिफारिश लागू होने के बाद बिल्डरों से बकाया जमा कराया जा रहा है। सिफारिश के तहत 35 बिल्डरों ने सहमति दी है। जिन्होंने 112 करोड़ रुपए प्राधिकरण में जमा कराए है। इससे बायर्स की रजिस्ट्री हो रही है।

पति को पिटता देख पत्नी ने युवक को पीटा

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 20 क्षेत्र में बुधवार शाम कार पार्किंग को लेकर हुए विवाद में एक दंपती के साथ मारपीट करने की घटना सामने आई है। इस दौरान पति को बचाने के लिए महिला ने आरोपी युवक को चप्पल से जमकर पीटा। हंगामा होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर शांति भंग की धारा में कार्रवाई की है।

इस घटना का वीडियो भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एसीपी प्रवीण कुमार ने बताया कि कार खड़ी करने को लेकर दंपती से मारपीट की घटना हुई थी। आरोपी युवक को गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई है।

हरियाणा के पानीपत की रहने वाले अमित बजाज बुधवार शाम पत्नी निवेदिता बजाज के साथ सेक्टर 18 की सावित्री मार्केट पहुंचे थे। इस दौरान कार पार्किंग को लेकर उनका पार्किंग कर्मी से विवाद हो गया।

आरोप है कि दंपती ने बाजार में सड़क किनारे कार खड़ी की थी। इसी दौरान मार्केट में काम करने वाले अरुण चौधरी ने कार पार्क करने का विरोध किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया।

आरोप है कि अरुण चौधरी ने अमित बजाज को पीटना शुरू कर दिया। पति को पिटता देख पहुंची महिला ने विरोध किया और आरोपी को चप्पल से पीटना शुरू कर दिया। मारपीट देख लोग एकत्र हो गए। वहीं खड़े लोगों ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर पर वायरल कर दिया। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा में गाड़ी से 10 लाख कैश बरामद

गौतम बुद्ध नगर। लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस लगातार चेकिंग अभियान चला रही है। इसी चेकिंग अभियान के दौरान बादलपुर पुलिस ने एक लग्जरी गाड़ी से करीब 10 लाख रुपए का कैश बरामद किया। पुलिस ने कैश को कब्जे में लेने के बाद इसकी पूरी सूचना इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को दे दी। बादलपुर पुलिस के द्वारा औद्योगिक चौकी पर चेकिंग की जा रही थी, इसी दौरान एक गाड़ी की चेकिंग की गई और उसमें से 10 लाख रुपए कैश बरामद किया गया। यह कैश डॉक्टर प्रवीण गोयल लेकर जा रहे थे। उनसे कैश के बारे में पूछताछ भी की गई, लेकिन वह संतोष पूर्वक जवाब नहीं दे पाए। इसके बाद पुलिस ने पैसों को अपने पास रखते हुए इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को इसकी जानकारी दे दी। बताया जा रहा है कि डॉक्टर प्रवीण गोयल एक अस्पताल के मालिक हैं। उनके पास यह पैसा कहां से आया और पैसे को कहां पर लेकर जा रहे थे। इसको लेकर उनके द्वारा अब पूरा ब्यौरा इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को दिया जाएगा। गौरतलब है कि लोकसभा चुनावों को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर है और प्रशासन के द्वारा भी कई टीम में बनाई गई है। जिनके द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

बच्ची को पीटने वाले मौसा-मौसी गिरफ्तार

दनकौर (संवाद)। चार साल की बच्ची पर अत्याचार करने के आरोप में कोतवाली पुलिस ने बृहस्पतिवार को ओमकार भाटी और उसकी पत्नी लक्ष्मी को गिरफ्तार किया है। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। आरोपी दंपती बच्ची के मौसा-मौसी हैं। पुलिस के मुताबिक, कोरोना काल में बच्ची के पिता की मौत हो गई थी। इसके बाद बच्ची को आरोपी दंपती के पास छोड़कर उसकी मां किसी युवक के साथ चली गई। तब से बच्ची दनकौर कस्बे में मौसा-मौसी के पास रह रही थी। आरोपी पति-पत्नी मासूम से घर का काम कराते थे। काम नहीं कर पाने पर उसकी पिटाई करते थे। जनवरी में दंपती ने बच्ची को इतना पीटा कि उसकी आंख समेत शरीर के कई हिस्सों पर गंभीर चोट आई थी। जानकारी होने पर पुलिस ने बच्ची को चाइल्ड लाइन केयर सेंटर भेज दिया था। वहीं, घटना के बाद से फरार आरोपी पति-पत्नी को पुलिस ने बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि मासूम बच्ची को यातनाएं देने के आरोप में दोनों पर केस दर्ज किया गया था।

डाक मतपत्र से मतदान करेंगे 12 विभागों के कर्मचारी

ग्रेटर नोएडा। विद्युत, रेलवे, एंबुलेंस चालक, डाकिया समेत 12 आवश्यक सेवाओं में तैनात कर्मचारियों को लोकसभा चुनाव में मतदान के लिए डाक मत की सुविधा मिलेगी। विभाग के अध्यक्ष ऐसे कर्मियों के फार्म भरवाएंगे। चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों से फार्म 12 डी भरवाए जा रहे हैं। वहीं, विभागों से फार्म आ रहे हैं। उनको चिह्नित करने का काम चल रहा है। जिले में आवश्यक सेवाओं से जुड़े कर्मियों का डाक मतपत्र से मतदान को लेकर संबंधी फार्म भरवाने का काम चल रहा है। चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों की सुविधा के लिए तीन स्टाल लगाए गए हैं। दादरी, नोएडा और जेवर विधानसभा क्षेत्र के कर्मचारियों को मत देने की सुविधा मिलेगी। इनमें सूचना, स्वास्थ्य, डाक, यातायात पुलिस, रेलवे, विद्युत, नागरिक उड्डयन, मेट्रो, रेडियो, बीएसएनएल समेत सेवाएं शामिल हैं। मतदान दिवस की कवरेज के लिए आयोग से अधिकृत मीडिया कर्मियों को डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा मिलेगी। इन्हें फार्म 12 डी भरकर नोडल अधिकारी से सत्यापित कराना होगा। डाक पत्र के लिए मुख्य डाकघर में अलग से काउंटर बनाया गया है। इसके माध्यम से जनपद में आने वाले सभी डाक पत्रों को एकत्र किया जाएगा। डाक मतपत्र से मतदान के लिए मतदाता सूची में नाम शामिल होना चाहिए।

किशोरी से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

लोनी। बॉर्डर थाना क्षेत्र के एक कॉलोनी में पड़ोसी ने घर में घुसकर एक किशोरी के साथ दुष्कर्म किया। मां जब घर पहुंची तो इस बात की जानकारी हुई। मां की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की एक कॉलोनी में 15 वर्षीय किशोरी अपनी मां और छोटे भाई के साथ रहती है। किशोरी के पिता का कुछ समय पहले देहांत हो गया था। किशोरी की मां आसपास घरों में सफाई का काम करती है। बुधवार दोपहर आरोपी पड़ोसी किशोरी को अकेला पाकर घर में घुस गया। किशोरी के साथ आरोपी ने दुष्कर्म किया। घटना के दौरान किशोरी का छोटा भाई बाहर खेल रहा था। किशोरी की मां जब घर पहुंची तो उसे इस घटना के बारे में पता चला। एसीपी अंकुर विहार भास्कर वर्मा ने बताया कि आरोपी समीर को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

कई महिलाओं के साथ लाखों की ठगी

मसूरी। महिला सशक्तिकरण के कार्यक्रम कर महिलाओं, युवतियों और किशोरियों को कंप्यूटर, सिलाई समेत अन्य प्रशिक्षण देने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। दो आरोपियों ने फर्जी संस्था के नाम पर नौ गांव की कई महिलाओं को प्रशिक्षण देने और सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया और पंजीकरण के नाम पर रसीद कटवाकर रुपये ऐंठ लिए। मामले में भूड़गढ़ी की रहने वाली विलम नाम की महिला ने आरती और एके शर्मा के खिलाफ मसूरी थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। विलम ने बताया कि भूडगढ़ी, कल्छूगढ़ी समेत नौ गांव की महिलाओं के साथ यह धोखाधड़ी की गई है। उन्होंने बताया कि एके शर्मा ने पहले खुद को एक दीप महिला सेवा प्रशिक्षण संस्थान की शुरुआत करने के बारे में बताया। इसी बीच महिलाओं को प्रोफेसर, सहायक, सुपरवाइजर समेत अन्य पदों पर सरकारी नौकरी का झांसा देकर तीन हजार रुपये से 24 हजार रुपये ले लिए। इसके बाद उसने महिलाओं से और महिलाओं को समूह से जोड़ने के लिए कहा।

तीन अरबपति कारोबारियों समेत सात के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी

नोएडा। करीब 15 हजार करोड़ के जीएसटी जालसाजी मामले में तीन अरबपति कारोबारियों समेत सात आरोपियों के खिलाफ कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी किया गया है। फरार आरोपियों पर करीब 63 करोड़ की जालसाजी का आरोप है। इन आरोपियों ने कोर्ट में जमानत के लिए याचिका डाली हुई थी। पुलिस के मुताबिक ईस्ट पंजाबी बाग दिल्ली निवासी संजय डिंगरा, कनिका डिंगरा, मयंक डिंगरा, ग्रेटर नोएडा निवासी मयूर उर्फ मनी नागपाल, चारू नागपाल, वजीरावाद निवासी पुनीत और रोहिणी दिल्ली निवासी संजय गर्ग के खिलाफ सूरजपुर कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी किया है। इनमें संजय डिंगरा, कनिका डिंगरा और मयंक डिंगरा बड़े कारोबारी हैं। डीसीपी क्राइम शक्ति मोहन अवस्थी के मुताबिक इन आरोपियों ने 63 करोड़ रुपये से अधिक की जालसाजी की है। उन्होंने सातों आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया था। जून 2023 में नोएडा पुलिस ने 15 हजार करोड़ से अधिक के जीएसटी फ्रॉड का खुलासा किया था। इसमें अब तक 30 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

रवि काना समेत गिरोह के 16 बदमाशों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

ग्रेटर नोएडा। गैंगस्टर एक्ट के मामले में थाना बीटा-2 पुलिस ने स्क्रैप माफिया रवि काना समेत गिरोह के 16 बदमाशों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की है। 500 पन्नों की चार्जशीट में रवि काना को सरगना और सहयोगी काजल झा को काले कारोबार में बराबर का हिस्सेदार बताया गया है। फिलहाल फरार चल रहे रवि काना और काजल पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित है। पुलिस की चार्जशीट में कहा गया है कि रवि काना गिरोह ने दर्जनों मुखौटा (शैल) कंपनियां बनाकर करोड़ों रुपये का हेरफेर किए। गिरोह ने सरिया और स्क्रैप के ठेके हथियाए। ठेके देने देने में आनाकानी करने वालों को धमकी दी गई। गिरोह ने इन सभी से काली कमाई की। चार्जशीट में कहा गया है कि जिले में चल रहीं करीब 1200 फैक्टरियों में रवि गिरोह का सिक्का चलता है। गिरोह इन कंपनियों से स्क्रैप के ठेके लेता था। बदमाश फैक्टरियों में सरिया पहुंचाने वाले ड्राइवरों को बलपूर्वक या पैसे देकर अपने पक्ष में कर सरिये पर कब्जा कर लेते थे। जबकि फैक्टरियों में कागजों पर उसकी आमद दर्ज करा दी जाती थी।

ठग ने छात्रा की गिरफ्तारी का भय दिखाकर पिता से रुपये मांगे

नोएडा। साइबर अपराधी ने छात्रा की गिरफ्तारी का भय दिखाकर एक पिता से रुपये मांगे। संदेह होने पर पीड़ित ने अपनी बेटी से बात की तो उनको सच्चाई का पता चल गया। उन्होंने इसको लेकर साइबर सेल में शिकायत दी है। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।ग्रेटर नोएडा वेस्ट निवासी कृष्ण कुमार यादव ने पुलिस को बताया है कि गुरुवार सुबह उनके मोबाइल नंबर पर व्हाटसऐप कॉल आई। फोन करने वाले ने अपना नाम पुलिस अधीक्षक रामकृष्ण बताया। उसने कहा कि उनकी बेटी सेक्टर-125 स्थित यूनिवर्सिटी में पढ़ रही है, जो उसकी गिरफ्त में है। वह किसी आपराधिक कार्य में लिप्त पाई गई है। यदि उनको अपनी बेटी सुरक्षित चाहिए हैं तो आकर संपर्क करें। तुम्हारी बेटी ने 40 लाख रुपये का जीएसटी फ्रॉड किया है। तुरंत रुपये दो नहीं तो बेटी से हाथ धो बैठोगे। आरोपी ने उनकी बात लड़की से कराई गई। आवाज सुनकर उन्हें शक हो गया। उन्होंने तुरंत फोन काटकर अपनी बेटी को फोन किया। उनकी बेटी यूनिवर्सिटी में बिलकुल ठीकठाक थी।

आवंटन पत्र जारी करें या नहीं, आयोग से मांगी अनुमति

नोएडा में 376 आवासी भूखंड में 320 को मिलना है आवंटन पत्र

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण की आवासीय भूखंड योजना के सफल आवेदकों को आवंटन पत्र जारी करने के लिए चुनाव आयोग से मंजूरी मांगी गई है। इसके लिए प्राधिकरण ने प्रमुख सचिव औद्योगिक को पत्र भेज दिया है। वहां से आज पत्र चुनाव आयोग को भेज दिया जाएगा।

प्राधिकरण ने इस साल जनवरी में 376 आवासीय भूखंड की योजना निकाली थी। इनका आवंटन ई-बोली के जरिए किया गया। बोली के अंतिम दिन ही लोकसभा चुनाव के लिए आचार संहिता लग गई और सफल आवेदकों को आवंटन पत्र जारी नहीं किए गए।

प्राधिकरण के आवासीय भूखंड विभाग ने विधि विभाग से राय ली। राय लेने पर तय हुआ कि इसकी मंजूरी चुनाव आयोग से लेनी होगी। अगर अनुमति मिल जाती है तो 320 सफल आवंटियों को आवंटन पत्र मिलेगा। नोएडा प्राधिकरण के इतिहास में ऐसा पहली बार होने जा रहा है। इसके लिए प्राधिकरण सीईओ डा. लोकेश एम ने शासन को पत्र लिखकर आयोग से अनुमति मांगी है।

बता दें कि पिछले दिनों नोएडा प्राधिकरण ने 376 आवासीय भूखंड की योजना निकाली थी। इसके लिए आवेदन करने वालों ने 16 मार्च तक ऑनलाइन बोली लगाई, लेकिन उसी दिन निर्वाचन आयोग की ओर से लोकसभा चुनाव की घोषणा कर दी गई। इसलिए पात्र 360 आवंटियों को प्राधिकरण आवासीय भूखंड विभाग आवंटन पत्र जारी नहीं कर सका। इन 360 आवंटियों में 40 आवंटी ऐसे हैं, जिन्होंने अप्रत्याशित बोली लगाई है। जिनकी ईएमडी जब्त होनी है।

आवासीय भूखंड योजना में 11 आवंटी ऐसे हैं, जिन्होंने योजना का लाभ लेकर आवेदन तो किया, लेकिन वह सिंगल बिडर ही रहे। इसलिए प्राधिकरण को दोबारा योजना को सात-सात दिन के आगे भी बढ़ाना पड़ा, इसके बावजूद 11 आवंटियों ने आनलाइन बोली में हिस्सा नहीं लिया।

गौतम बुद्धनगर विकास समिति ने की पहल

पैदल पुल बनाने की मांग : आबादी को देखते हुए बताया जरूरी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में भीड़ भाड़ एवं आबादी को देखते हुए गौतम बुद्ध नगर विकास समिति ने स्थानों को चिह्नित कर पैदल पुल की स्थापना के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण को ज्ञापन सौंपा। गुरुवार को गौतम बुद्धनगर विकास समिति के सदस्यों ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों की सुरक्षा और कल्याण से दृष्टिकोण से ग्रेनों में विभिन्न स्थानों में पैदल पुल की आवश्यकता को लेकर सीईओ ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के नाम ज्ञापन एसीओ अन्नपूर्णा गर्ग को सौंपा। समिति की अध्यक्ष रश्मि पांडेय ने

बताया कि पिछले कुछ वर्षों में, ग्रेटर नोएडा में तेजी से शहरीकरण और आबादी में वृद्धि हुई है, जिससे सड़कों पर बढ़ते वाहन यातायात और भीड़ में इज़ाफ़ा हुआ है। दुर्भाग्यवश, मौजूदा समय में पैदल यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने में साधान पर्याप्त नहीं है, जिससे व्यस्त चौराहों और उच्च यातायात क्षेत्रों में दुर्घटना संभावित क्षेत्र बढ़ रहे हैं और निवासी असुविधा का सामना कर रहे हैं।

समिति के सचिव अनूप कुमार सोनी (ग्रेटर नोएडा वेस्ट) ने बताया कि हमने कई बार अधिकारियो को इस विषय में अवगत कराया है और ग्रेटर नोएडा पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराई है, किंतु कोई निष्कर्ष नहीं निकला, इसलिए हमने स्नह्क्क की आवश्यकता वाले स्थानों को चिह्नित कर इस ज्ञापन के ज़रिए सुझाव दिया है। ये पुल न केवल पैदल यातायात की सुरक्षा को बढ़ावा देंगे, बल्कि शहर की संपूर्ण यातायात क्षमता, पैदल चलने वाले लोगो एवं जाम जैसी समस्या को भी सुधारेंगे।

गौतम बुद्ध नगर विकास समिति द्वारा चिन्हित स्थान गौर सिटी व पाम ओलंपिया के मध्य, सुपरटेक और निराला ग्रीनशायर के मध्य, शाहबेरी कट के पास, ऐस सिटी व स्टेलर जीवन के पास बनाने का प्रस्ताव रखना है।

महिला की अश्लील वीडियो वायरल करने की दी धमकी

नोएडा। सेक्टर 128 क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने एक युवक पर उसके साथ छेड़छाड़ करने और उसकी अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उनको ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। इसको लेकर महिला ने सेक्टर 126 थाने में केस दर्ज कराया है।

पुलिस को दी गई शिकायत में महिला ने बताया कि उनके गांव के रहने वाले अतुल नाम के युवक से फोन पर उनकी बात होती थी। वह सरिता विहार दिल्ली में रहता है। उन्होंने बताया कि वह उनके घर कभी - कभी खाने पर आता था। पीड़िता ने बताया कि एक दिन उनके पति ड्यूटी पर चले गए थे। इस दौरान आरोपी ने मौका देखते ही उनके साथ छेड़छाड़ किया। इस दौरान आरोपी ने फोन में उनकी अश्लील वीडियो बना ली। इसके बाद से आरोपी युवक उनके अश्लील वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर ब्लैक मेल कर रहा है। पीड़िता ने बताया कि जिससे परेशान होकर उन्होंने अपना कमरा बदल दिया। लेकिन इसके बाद भी आरोपी उनकी तलाश करता हुआ उनके घर पर आ गया।

दुबई के मिरेकल गार्डन की तर्ज पर नोएडा में बनेंगे पार्क

नोएडा। दुबई की मशहूर मिरेकल गार्डन की तर्ज पर नोएडा में भी पार्क बनाए जाने की तैयारी है। इसके अलावा डियर पार्क समेत देश विदेश के अन्य शहरों की तरह थीम आधारित पार्क बनाने की कवायद की जा रही है। इसका मकसद लोगों को नोएडा से जोड़ना है। हालांकि इसके लिए जारी बातचीत अभी शुरुआती दौर में है। इस बाबत जल्द काम शुरू होने के आसार हैं। दरअसल, नोएडा को बेहतरीन शहर बनाने की दिशा में प्राधिकरण लगाताया प्रयास कर रहा है। कुछ समय पहले शुरू किए गए वेदवन पार्क की सफलता के बाद प्राधिकरण के हौसले बुलंद हैं। प्राधिकरण ऐसे पार्क और गार्डन विकसित करना चाहता है जिसे देखने दूर-दूर से लोग आएं। इसी कड़ी में अधिकारियों ने दुबई के मिरेकल गार्डन की तर्ज पर पार्क बनाने के लिए मंथन शुरू किया है।

इसी कड़ी में शहर के एक पार्क को डियर पार्क के तौर पर विकसित करने के लिए बातचीत हुई है। यहां किसी चिड़ियाघर से हिरणों को लाकर रखने की योजना है। इसके लिए शहर के बड़े पार्कों का चयन किया जाएगा। इसमें बायोडायवर्सिटी पार्क समेत दूसरे पार्क शामिल हैं। हिरणों को लाकर रखने से यहां लोग परिवार के साथ इसे देखने के लिए आएंगे।

इसी तरह से यहां दुबई के मिरेकल गार्डन की तर्ज पर किसी पार्क को विकसित करने का सुझाव भी आया। हालांकि मिरेकल गार्डन दुनिया का एक अतिविशिष्ट पार्क है, जिसे देखने के लिए दुनिया भर से लोग आते हैं। वहां करोड़ों फूल, तितलियां, अलग-अलग अंदाज में फूलों व पौधों से डेकोरेशन किया गया है।

प्राधिकरण ने 25 करोड़ की जमीन कराई कब्जा मुक्त

दो खसरा के 10 हजार वर्गमीटर जमीन पर बने थे कमरे और बाउंड्री

नोएडा। लोकसभा चुनाव के मद्दे नजर आचार संहिता लगी है। इसका फायदा यहां भू माफिया उठाने का प्रयास कर रहे थे। नोएडा में भी अवैध निर्माण किया जा रहा था।

जानकारी मिलते ही प्राधिकरण ने मुआयना किया इसके बाद गुरुवार दोपहर को जेसीबी के जरिए अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। इस दौरान करीब 10 हजार वर्गमीटर जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया। इस जमीन की कीमत करीब 25 करोड़ रुपए आंकी जा रही है।

जमीन पर कलोनाइज़र द्वारा अवैध रूप ये प्लाटिंग कराई जा रही थी। इसके अलावा अवैध निर्माण और कमरे तक बने हुए थे। जिनको जेसीबी के जरिए ध्वस्त किया गया।

प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी और डीजीएम सिविल ने

बुधवार को सेक्टर-164 और 163 का निरीक्षण किया था। इस दौरान मोहियापुर स्थित खसरा नंबर 51 और 203 पर अवैध निर्माण देखा गया। नियोजन विभाग से जमीन को चेक कराया गया।

ये जमीन मास्टर प्लान-2031 के अनुसार नियोजित थी। ऐसे में एसीईओ ने इस अवैध निर्माण को तत्काल ध्वस्त करने के निर्देश दिए। जिसके बाद गुरुवार को प्राधिकरण और स्थानीय थाने की पुलिस के साथ करीब 50 कर्मचारी और जेसीबी की मदद से यहां बने अवैध कमरों को ध्वस्त किया।

इसके बाद दोनों प्लाट पर की जा रही चारदिवारी को हटाया गया। साथ प्लाटिंग को ध्वस्त किया गया। पुलिस बल की मौजूदगी में लोग शांत रहे। प्राधिकरण एसीईओ संजय खत्री ने स्पष्ट कहा कि किसी प्रकार का अवैध निर्माण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। तत्काल ध्वस्त किया जाएगा।

शहर वासियों से अपील है कि इस तरह बिना प्राधिकरण से चेक कराए और लुभावने विज्ञापन के चक्कर में फंसकर अपनी जीवन भर की कमाई मत गवाएं। जिन लोगों ने अवैध निर्माण किया था उनके खिलाफ संबंधित थाने में एफआईआर भी दर्ज की जा रही है।

सेक्टर-40-41 में फ्लैट के बाहर अवैध निर्माण हटाया

वहीं वर्क सर्किल-3 में सेक्टर-40 और 41 की बाजार के आस-पास प्राधिकरण के फ्लैटों के बाहर अवैध निर्माण कर लिया गया था। ये निर्माण फ्लैट आवंटियों ने ही किया था। इनको नोटिस जारी किया गया था। लेकिन इन्होंने अवैध निर्माण नहीं हटाया। प्राधिकरण की टीम ने यहां करीब आधा दर्जन फ्लैटों के बाहर बने छज्जा, कमरे और अन्य निर्माण को ध्वस्त किया साथ ही चेतावनी भी दी।

चुनाव के लिए 34 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

गौतम बुद्ध नगर। लोकसभा चुनाव को लेकर गौतमबुद्ध नगर में 28 अप्रैल से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हुई थी, जिसमें उम्मीदवारों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। आज नामांकन का अंतिम दिन था और आज के दिन भी जमकर नामांकन किए गए। गौतमबुद्ध नगर में कुल 34 प्रत्याशियों के द्वारा नामांकन किया गया है। अंतिम दिन 16 प्रत्याशियों ने अपना नामांकन किया।

गौतमबुद्ध नगर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के लिए गुरुवार को नामांकन के अंतिम दिन 16 प्रत्याशियों द्वारा नामांकन किया गया, जिसमें राजलोक पार्टी के श्यौराज सिंह, आजाद अधिकार सेना पार्टी के यतेंद्र सिंह, अखिल भारत हिंदू महासभा पार्टी के रणवीर चौधरी,

भारतीय महासंघ पार्टी के प्रशांत भाटिया, संयोगवादी पार्टी के आनंद शर्मा, वीरों के वीर इंडियन पार्टी के भीम प्रकाश जिज्ञासु, भारतीय किसान पार्टी के गयादीन अहिरवार, राष्ट्रीय जनता पार्टी के श्यामसुंदर शर्मा तथा निर्दलीय प्रत्याशी बबली, संजय शर्मा, पराग कौशिक, गीता रानी शर्मा, नवीन चंद दुबे, सुनील गौतम, महेश कुमार सोनी एवं प्रमोद आत्री सम्मिलित हैं।

कुल 34 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। भारतीय जनता पार्टी से डॉक्टर महेश शर्मा, बहुजन समाज पार्टी से राजेंद्र सिंह सोलंकी और समाजवादी पार्टी से महेंद्र सिंह नागर भी अपना नामांकन कर चुके हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने बताया कि नाम निर्देशनों की संवीक्षा के लिए 5 अप्रैल 2024 दिन शुक्रवार व नाम वापसी के लिए अंतिम तिथि 8 अप्रैल 2024 दिन सोमवार निर्धारित की गई है। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण का मतदान 26 अप्रैल 2024 दिन शुक्रवार एवं 04 जून 2024 दिन मंगलवार को मतगणना संपन्न होगी। 6 जून 2024 दिन बृहस्पतिवार से पूर्व निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण कर ली जाएगी।

सहपाठी ने घर में घुसकर छात्रा को पीटा

खोड़ा। थाना क्षेत्र में सोमवार को एक सहपाठी ने घर में घुसकर छात्रा पर हमला कर दिया। बुरी तरह पीटने से छात्रा घायल हो गई। बुधवार को उसकी तबीयत बिगड़ने के बाद पुलिस को शिकायत मिली। पुलिस मामले की जांच कर रही है। परिजनों का आरोप है कि छात्रा की कक्षा में पढ़ने वाला युवक कई दिनों से परेशान कर रहा था। सोमवार को छात्रा को रास्ते में रोका तो उसने विरोध कर दिया। इसके बाद छात्रा घर आ गई। कुछ देर बाद उसने छात्रा के घर में घुसकर हमला कर दिया। लात और घूंसों से उसे बुरी तरह पीटकर भाग गया। छात्रा का मुंह सूज गया है आंखों पर सूजन आ गई।

नकली जेवर लेकर लोन कराने बैंक पहुंची दो महिलाएं, गिरफ्तार

नोएडा। सेक्टर 51 स्थित कैपरी फाइनेंस बैंक में नकली आभूषण लेकर दो महिलाएं पहुंच गई। बैंक में ज्वेलरी की शुद्धता की जांच में फर्जीवाड़े का पता चलते ही बैंक कर्मियों ने पुलिस को सूचना दे दी। कोतवाली सेक्टर-49 पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर गाजियाबाद निवासी रेशमा और दादरी निवासी शबनम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस को दी शिकायत में सेक्टर-51 स्थित कैपरी गोल्ड फाइनेंस बैंक के अधिकारी दीपांशु शर्मा कहा कि तीन मार्च को होशियारपुर शाखा पर रेशमा और शबनम आभूषण लेकर लोन लेने

आई थी। बैंक की तरफ से दिए गए आभूषण की शुद्धता की जांच की गई। जिसमें उनके द्वारा दिए गए सारे आभूषण में सोने की मात्रा बहुत ही कम पाई गई। जांच में जेवर के नकली होने की बात सामने आई। इसके बाद जब दोनों महिलाओं से ज्वेलरी के बारे में पूछताछ की गई। इस दौरान उनके द्वारा बताया गया कि यह उनका पुश्तैनी आभूषण है।

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर नेपाल सीमा पर कड़ी चौकसी

बस्ती। लोकसभा चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिए भारत-नेपाल सीमा पर कड़ी चौकसी बरती जा रही है।

बस्ती परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रामकृष्ण भारद्वाज ने गुरूवार को यूनीवार्ता को बताया कि वांछित अपराधियों और असामाजिक तत्वों की सूची भारत ने नेपाल को तथा नेपाल ने भारत के अधिकारियों को सौंप दी है।

उन्होंने बताया कि परिक्षेत्र का सिद्धार्थनगर जिला मित्र राष्ट्र नेपाल से सटा हुआ है। आसामाजिक तत्वों, अवैध शराब, ड्रग्स की तस्करी, जाली मुद्रा, अवैध हथियार सहित अन्य पहलुओं पर दोनों देशों के सुरक्षा एजेंसी तथा सुरक्षा कर्मियों द्वारा नजर रखी जायेगी।

नेपाल सीमा पर पुलिस एवं सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) द्वारा निरन्तर निगरानी किया जा रहा है।

सिद्धार्थनगर जिले के सीमावर्ती थानाध्यक्षों,चौकी प्रभारियों को सुरक्षा के लिए आवश्यक सीमा निर्देश प्रदान किया गया है।

सीमा की तरफ जाने वाली प्रत्येक गाड़ियों का चेकिंग किया जा रहा है तथा सीमा से सटे गांव, कस्बों में लगे सीसी टीवी कैमरों को भी सक्रिय रखने का निर्देश दिया गया है। साथ-साथ यह भी कहा गया है कि जो तस्कर,अपराधी जेल से छूटकर आये है उन पर पुलिस नजर बनाये रखे। उन्होंने बताया कि वांछित अपराधियों, हिस्ट्री शीटरों, ईनामी अपराधियों की सूची एक-दूसरे देशो के अधिकारियों को सौंप दी गयी है।

दोनों देशों के सीमावर्ती गांव में सुरक्षाकर्मी अलर्ट मोड पर रहेंगे, अवैध शराब, गाजा, स्मैक, अवैध असलहा सहित अन्य मादक पदार्थो की तस्करी पर रोक लगाने के लिए चेकपोस्ट तथा बैरियर पर सघन चेकिंग किया जायेगा।

सीतापुर पीटीसी में तैनात एसपीओ की हार्टअटैक से मौत

सीतापुर। सीतापुर में पीटीसी में तैनात एसपीओ की अचानक मौत से हड़कंप मच गया। ड्यूटी के दौरान अचानक हालत बिगड़ने पर उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। डॉक्टरों के अनुसार हर्दयगति रुकने से एसपीओ की मौत हुई है। मामला पीएसी परिसर स्थित पीटीसी (पुलिस ट्रेनिग सेंटर) का है। यहां पर तैनात फतेहपुर निवासी एसपीओ जगतपाल सिंह दिसंबर माह में पीटीसी में ट्रांसफर होकर आये थे। बताया जाता है कि आज सुबह तड़के उसकी हालत बिगड़ने पर आनन फानन में जगतपाल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के दौरान ही मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने परिजनों को मामले की सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

फर्जी आयकर अफसर अरेस्ट

चेकिंग के लिए कार रोकी तो आईडी कार्ड दिखाकर रौब गांठने लगा

कानपुर। कानपुर में फर्जी आयकर अफसर गिरफ्तार हुआ है। बुधवार शाम को पुलिस चेकिंग कर रही थी। तभी एक कार रोकी। फिर उसकी जांच करनी चाही, तो युवक आयकर विभाग का आईडी कार्ड दिखाते हुए पुलिस पर रौब गांठने लगा।

एसीपी ने नाम पूछा तो वह हड़बड़ा गया। पुलिस को उस पर शक हो गया। फिर पुलिस ने जांच की तो आईडी कार्ड फर्जी निकला। फिलहाल, पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उससे रावतपुर थाने की पूछताछ कर रही है।

आईडी कार्ड पर आयकर अफसर लिखा था

एसीपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय ने बताया, रावतपुर थाने की पुलिस मसवानपुर चौराहे पर चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को एक कार आते दिखाई दी। जिसमें नंबर प्लेट के ऊपर बड़ी नेम प्लेट लगी थी, जिसमें आयकर विभाग, भारत सरकार लिखा था। पुलिस को चेकिंग के लिए कार रोक ली। चेकिंग की, तो कार से कुछ बरामद नहीं हुआ। लेकिन जांच में सामने आया कि पकड़ा गया युवक फर्जी आयकर अधिकारी है।

पूछताछ में युवक ने अपना नाम कल्याणपुर महाबीरपुरम नई बस्ती निवासी रितेश शर्मा बताया। उसके आईडी कार्ड पर आयकर अफसर लिखा था।

पुलिस ने जांच-पड़ताल की तब पता चला कि इस नाम का कोई भी आयकर अफसर नहीं है। इसके बाद पुलिस ने उससे सख्ती से पूछताछ की, तो वह टूट गया और अपना जुर्म कबूल कर लिया।

शार्ट न्यूज

एक किलो .600 ग्राम गांजा बरामद

ललितपुर । बालाबेहट पुलिस ने एक किलो 600 ग्राम गांजा बरामद किया। मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन मे अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी पाली रक्षपाल सिंह के निकट पर्यवेक्षण मे आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत अवैध मादक पदार्थों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बालाबेहट पुलिस द्वारा मुखविर की सूचना पर अभियुक्त.जीतू यादव पुत्र मुन्ना लाल यादव उम्र करीब 25 वर्ष निवासी ग्राम मुड़ारी थाना बालाबेहट जनपद ललितपुर को समय करीब 14.00 बजे बहद ग्राम मुड़ारी से हिरासत पुलिस में लिया गया । गिरफ्तार अभियुक्त की तलाशी से एक प्लास्टिक के थैले में कुल 1.600 किलोग्राम नाजायज गांजा बरामद हुआ । अभियुक्त जीतू यादव उपरोक्त के विरुद्ध थाना हाजा पर मु0अ0स0 17/2024 धारा 08/20 एनडीपीसी एक्ट पंजीकृत कर अभियुक्त उपरोक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष भेजा जा रहा है । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम थानाध्यक्ष राजपाल उ0नि0 मनोज मिश्रा हे0का0 पप्पू खां का0 अभिषेक कुमार का0 महेन्द्र आदि शामिल रहे।

सशस्त्र वल ने फ्लैग मार्च कर जनता को कराया सुरक्षा का अहसास

ललितपुर। आगामी लोकसभा निर्वाचन के दृष्टिगत एसडीएम पाली, क्षेत्राधिकारी पाली व थाना नाराहट पुलिस द्वारा केन्द्रीय सशस्त्र बल के साथ किया गया फ्लैग मार्च/एरिया डोमिनेशन। क्षेत्र के क्रिटिकल/संवेदनशील पोलिंग बूथों पर फ्लैग मार्च कर जनता को कराया सुरक्षा का अहसास। मिश्रित आबादी/संवेदनशील स्थानों पर फ्लैग मार्च कर लोगों से निर्भीक व निष्पक्ष होकर मतदान करने हेतु किया गया जागरूक एसडीएम पाली, क्षेत्राधिकारी पाली व थाना नाराहट पुलिस द्वारा अर्धसैनिक बल के साथ आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टिगत कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ मतदाताओं में सुरक्षा की भावना पैदा करने के लिए नाराहट क्षेत्रान्तर्गत क्रिटिकल/संवेदनशील पोलिंग बूथों व मिश्रित आबादी वाले स्थानों पर फ्लैग मार्च /एरिया डोमिनेशन किया गया । फ्लैग मार्च के दौरान मतदान केंद्र एवं क्षेत्र का भ्रमण करते हुए आम जनता से संवाद कर चुनाव के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने, पुलिस तथा प्रशासन का सहयोग करने एवं भय मुक्त होकर मतदान करने की अपील की गई।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक की मौत

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर। जिले के सिधौली थाना क्षेत्र अन्तर्गत हुई मार्ग दुर्घटना में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई तथा दूसरा सवार गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। जानकारी के अनुसार जिले के अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी टक्कर मार कर अज्ञात वाहन चालक फरार हो गया। बताने के अनुसार यह मार्ग दुर्घटना सिधौली कस्बे में महमूदाबाद चौराहे से अल्लादादपुर रोड पर फायर स्टेशन के निकट पावर हाउस के सामने एक बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी और टक्कर मार कर वाहन चालक फरार हो गया इस मार्ग दुर्घटना में थाना संदना के के गांव मढ़िया निवासी अट्ठाइस वर्षीय सतीश की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि बाइक पर पीछे की तरफ बैठे चालिस वर्षीय रामसागर निवासी अर्जुनपुर मजरा नहोइया थाना संदना गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना में दोनों गम्भीर रूप से घायल हुए दोनों लोगों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सिधौली पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत सतीश को मृत घोषित कर दिया और रामसागर की गंभीर हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया, लेकिन परिजन घायल को जिला अस्पताल ना ले जाकर बेहतर इलाज के लिए घायल को प्राइवेट अस्पताल ले गए।

चुनाव मद्देनजर रखकर को संवेदनशील इलाकों में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से जिले की पुलिस पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गई है पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अर्धसैनिक बलों के साथ स्थानीय पुलिस के द्वारा लगातार संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक से प्राप्त निर्देश के अनुपालन में जिले के थाना हरगांव क्षेत्र में भी थाना हरगांव के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में निरीक्षक अपराध राम सागर यादव के नेतृत्व में भारी पुलिस बल के साथ उप निरीक्षक योगेश कुमार शंखधर ने हरगांव थाना क्षेत्र के रीछिन,कैमा,अयोध्या सिंह पुरवा, सरावां,अंगेठा,शेरपुर,राजेपुर मेवा राम नगर,मुद्रासन, सलारपुर, कटेसर, कटियारा,बिशुनपुर,मगरूआ,उदनापुर कोरैय्या,बरियाडीह में कई जगहों पर फ्लैग मार्च किया। इस दौरान निरीक्षक अपराध रामसागर यादव एवं उप निरीक्षक योगेश कुमार शंखधर व पुलिस अधिकारियों ने बुजुर्ग, नौजवानों से बातचीत की, वार्ता के दौरान लोगों को आश्वस्त करते हुए निरीक्षक अपराध सहित उप निरीक्षक योगेश कुमार शंखधर ने कहा कि लोकसभा चुनाव के दौरान अगर कोई गड़बड़ी पैदा करता है तो वह पुलिस को सूचित करें। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ग्राम प्रधान ने फांसी लगाकर दी जान

सोनभद्र। सोनभद्र के पन्नूगंज थाना क्षेत्र के कसारी गांव के ग्राम प्रधान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। परिजनों ने बताया कि ग्राम प्रधान अनिल गुप्ता शराब पीने के आदि थे। बीती रात भी शराब पीकर घर आये तो परिजनों से बहस हुई थी। जिसके बाद वो अपने कमरे में सोने चले गए जहां सुबह शव लटकता मिला है। फिलहाल पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कसारी गांव के ग्राम प्रधान अनिल गुप्ता धान खरीद का काम करता थे और व्यापारी को बेचता थे। मृतक ग्राम प्रधान अनिल गुप्ता शराब पीने का भी आदि था जिसके कारण आय दिन घर में शराब को लेकर बहस होती थी। इससे वह डिप्रेशन में रहता था। बुधवार की रात को मृतक ग्रामप्रधान ने शराब पी रखी थी घर में शराब पीने को लेकर परिजनों ने मना किया तो बहस हुई। इसके बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह जब काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो दरवाजा तोड़ के अंदर देखा गया तो ग्रामप्रधान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया थ।

विवाहिता का शव कब्र से निकाला गया

रामपुर,जौनपुर। जौनपुर में 16 दिन पूर्व दफन विवाहिता का शव मजिस्ट्रेट के आदेश पर कब्र खोदकर निकाला गया। विवाहिता की मौत 19 मार्च को हुई थी। मौत के 6 दिन बाद पुलिस हरकत में आई थी। पुलिस ने 26 मार्च को गांव पहुंच कर मौके का जायजा लिया था। आज 4 मार्च को शव निकाल कर जांच के लिए पोस्टमॉर्टम के लिए भेज गया है। बता दें कि 19 मार्च को सुरेरी थाना क्षेत्र के सुरेरी गांव में विवाहिता की मौत के बाद ससुराल वालों ने बिना किसी को बताए शव को दफना दिया था। जिसकी जानकारी मायके वालों को होते ही परिजन महिला के ससुराल पहुंचे और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया था। जौनपुर के सुरेरी गांव में 19 मार्च की रात संदिग्ध परिस्थिति में एक विवाहिता की मौत हो गई थी। परिजन ने बिना मायके वालों को सूचित किए शव को ले जाकर दफना दिया था। किसी तरह मायके वालों को इसकी जानकारी हुई तो सभी मौके पर पहुंचे तो देखा शव को दफना दिया गया था।

पुलिस मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

किरावली। आगरा के थाना अछनेरा पुलिस की बुधवार रात्रि को बदमाश से मुठभेड़ हो गई। मुठभेड़ में बदमाश के पैर में लगी गोली है।

ज़ख्मी हालत में बदमाश को हॉस्पिटल भेजा गया है। बदमाश पर करीब 19 मुकदमे दर्ज हैं। मौके पर डीसीपी सोनम कुमार, सीओ अछनेरा पूनम सिरोही मौजूद रहे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बुधवार रात्रि पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि, कई लूट और चोरी की घटनाओं में फरार चल रहा 25 हजार का इनामी बदमाश शेर खान उर्फ अंशु पुत्र पप्पू खान, भरतपुर रोड की तुर्कीया नहर के पास में, कहीं जाने की फिराक में हैं। तत्काल डीसीपी सोनम कुमार के निर्देशन में, थाना प्रभारी डीपी तिवारी मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

एक अवैध तमंचा, तीन जिंदा कारतूस बरामद

पुलिस टीम ने घेराबंदी कर, बदमाश को पकड़ने की कोशिश की। इतने में ही बदमाश ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी, आत्मरक्षा के लिए फायर कर दिया। काफी देर चली मुठभेड़ में बदमाश के दाहिने पैर में गोली लग गई। उसे ज़ख्मी हालत में हॉस्पिटल भर्ती कराया गया। वहीं पकड़े गए बदमाश के पास से पुलिस को, एक अवैध तमंचा, तीन जिंदा कारतूस, तीन खोखा कारतूस, एक सोने का मंगल सूत्र, 25 हजार रुपए व बाइक बरामद की गई।

वहीं डीसीपी सोनम कुमार ने बताया कि, पकड़े गए बदमाश पर चोरी, लूट, एनडीपीएस, गैंगस्टर सहित करीब 19 मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि, करीब एक महीने पहले कुकथला के पास बारात में लूट की बड़ी घटना को अंजाम दिया गया था। तभी से बदमाश फरार चल रहा था। कार्यवाही के दौरान, डीसीपी पश्चिमी जॉन सोनम कुमार, एसीपी पूनम सिरोही, थाना प्रभारी डीपी तिवारी एवं अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

बरेली में प्रेमी युगल ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दी

4 माह पहले दोनों ने गांव में कसम खाकर कहा था कि एक साथ ही जीयेंगे और एक साथ ही मरेंगे

बरेली। यूपी के बरेली जिले में एक प्रेमी युगल ने सुसाइड कर लिया। फिलहाल पुलिस कई बिंदुओं पर जांच कर रही है। आज गुरुवार दोपहर को दोनों के शव गेहूं के खेत में मिले। पास में कीटनाशक पदार्थ भी मिला है।

जिससे पुलिस प्रथम दृष्टा मान रही है कि दोनों ने जहरीला पदार्थ खाकर सुसाइड किया है। वहीं युवक के परिजनों ने ऑनर किलिंग की आशंका जताई है। गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। जहां एसपी देहात मुकेश चंद्र मिश्रा खुद फोर्स के साथ मौजूद हैं।

4 साल से दोनों में चल रहा था अफेयर

बरेली के बहेड़ी थाना क्षेत्र में ग्वारी गांव निवासी सोमपाल गंगवार (22 साल) का अपने ही गांव की रहने वाली निर्मला (21 साल) पुत्री श्रीपाल से अफेयर चल रहा था। दोनों अलग अलग कास्ट के रहने वाले हैं। जहां युवक गंगवार है, जबकि युवती दलित है। कल दोपहर को दोनो के शव गांव के बाहर खेत में मिले हैं।

जब आसपास के लोग गेहूं काटने पहुंचे तो शव देखकर शोर मचाया। सूचना पर बहेड़ी पुलिस भी पहुंच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना की जानकारी ली। एसपी देहात मुकेश चंद्र मिश्रा भी फोर्स के साथ पहुंचे। गांव के रहने वाले एक पड़ोसी ने पुलिस अफसरों को बताया कि दोनों ने 4 माह पहले कहा था कि या तो शादी करेंगे या एक साथ मरेंगे। उसके बाद यह बात परिजनों को पता चल गई थी। जिसके बाद परिजनों ने युवती को दिल्ली भेज दिया था।

चार साल की दोस्ती का दुखद अंत

परिजनों ने पुलिस को बताया कि चार साल से दोनों में दोस्ती थी। इस बात का परिजनों को भी पता चल चुका था। एक साल पहले दोनों ने गांव में कहा था कि हम शादी करना चाहते हैं। लेकिन एक ही गांव का मामला होने के चलते परिवार ने विरोध जताया। दोनों अलग अलग जाति के हैं, इसलिए गांव के लोगों ने कहा कि यह नहीं होने दिया जायेगा।

लेकिन उसके बाद भी दोनों चोरी छिपे एक दूसरे से मिलते थे। दिसंबर 2023 में परिजनों ने निर्जला को दिल्ली भेज दिया।

जहां वह दिल्ली में रहकर अपनी पुलिस भर्ती की तैयारी भी कर रही थी। जिसमें पुलिस का कहना है कि युवती के परिजनों ने उसे दिल्ली इसलिए भेजा था कि दोनों मिल न सकें।

गांव के बाहर जहां शव मिले हैं वहां पास में जहरीले पदार्थ की शीशी, व कीटनाशक भी मिला है। ऐसे में माना जा रहा है कि जहरीला पदार्थ जबरन नहीं खिलाया जा सकता। ऐसे में पुलिस सुसाइड ही मान रही है। दोनों ने एक साथ सुसाइड किया है।

ऑनर किलिंग को भी जांच

पुलिस ऑनर किलिंग के बिंदु पर भी जांच कर रही है। युवक के परिजन भी चुप्पी साधे हुए हैं। जहां पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस यह मान रही है कि कहीं दोनों की हत्या तो नहीं की गई, उसके बाद कभी जहरीला पदार्थ पास में रख दिया हो।

सिद्धार्थनगर में 500 बीघा गेहूं की फसल में लगी आग

तीन घंटे मशक्कत के बाद फायर ब्रिगेड ने पाया काबू, एसडीएम ने मदद का दिया भरोसा

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थनगर में त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार को आग से बेतनार, सेखुई सेनापति व रमवापुर जगतराम गांव के किसानों की करीब पांच सौ बीघा से अधिक खड़ी गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम व ग्रामीणों ने करीब तीन घंटे मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। मौके पर पहुंचे राजस्व टीम के साथ तहसीलदार और एसडीएम डुमरियागंज ने किसानों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने की बात कही। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र के बेतनार गांव में सुबह करीब 11 बजे गेहूं के खेत से हल्का धुंआ उठता दिखाई दिया। जब तक लोग कुछ समझ पाते और आग को बुझाने का प्रयास करते तब तक तेज पछुआ हवा के कारण आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया। आग सेखुई सेनापति गांव के सीवान तक पहुंच गई। लोगों ने फायर ब्रिगेड को सूचना देने के बाद खुद अपने अपने संसाधनों से आग बुझाने में लग गए।

गर्मी और तेज हवा के साथ उठती लपटों के बीच आग देखते ही देखते रमवापुर जगतराम गांव के सीवान को भी अपने आगोश में ले लिया। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी के साथ ग्रामीणों के करीब तीन घंटे अथक प्रयास से आग पर काबू पाया जा सका, तब तक करीब 500 बीघा गेहूं की फसल राख हो गई।

त्रिलोकपुर थाना क्षेत्र के बेतनार, सेखुई सेनापति व रमवापुर जगतराम गांव में गुरुवार को हुई अगलगी के घटना में वंशीलाल गुप्ता, जवाहर लाल गुप्ता, चंद्रिका प्रसाद, सर्फुद्दीन, कल्लू, घिराऊ, रवि प्रकाश तिवारी, धर्म प्रकाश तिवारी, सूर्य प्रकाश, विनोद कुमार द्विवेदी, रघुनाथ प्रसाद, कौशल किशोर तिवारी, मुन्नू तिवारी, जनकराम चौरसिया, धर्मराज की पांच सौ बीघा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई।

चंदौली में आबकारी विभाग ने मार छापा

सकलडीहा। चंदौली के सकलडीहा में अवैध शराब की बिक्री काफी लंबे समय से होने की बात कही जा रही थी। इसी सूचना पर गुरुवार को सीओ रघुराज के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीम ने कस्बा के ही एक मकान पर छापा मारा। भीतर से एक युवक ने दरवाजा बंद कर लिया। बाहर खड़ी पुलिस का वीडियो बनाने लगा। पुलिस से ही तमाम सवाल पूछने लगा। इस दौरान बाहर लोगों की भीड़ लग गई। आपको बता दें कि सीओ रघुराज और आबकारी इंस्पेक्टर दीपक ओझा भारी पुलिस बल के साथ भीतरी बाजार के एक मकान पर दबिश दी। वहां पहले से एक व्यक्ति शराब लेने के लिए खड़ा था। जैसे ही पुलिस पहुंची। भीतर से एक युवक ने पागलों जैसी हरकते शुरू कर दी। वह अटपटे सवाल करते हुए पुलिस का ही वीडियो बनाने लगा। सीओ और आबकारी इंस्पेक्टर के बार-बार दरवाजा खोलने को कहे जाने के बाद भी नहीं खोला। जिससे छापेमारी की कार्रवाई अधूरी रह गई। इस दौरान भारी पुलिस टीम बेबस और लाचार दिखी। लोगों की माने तो अंदर बड़ी मात्रा में शराब रखी रहती है। व्यापारियों का कहना था कि यहां से सैकड़ों लोग प्रतिदिन शराब की खरीद करते हैं। इस अवैध बिक्री का युवाओं पर बुरा असर पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि जहां यह छापेमारी की जा रही है। इस घर की युवती आबकारी विभाग में सिपाही के पद पर कार्यरत है। आरोप लगाया कि सकलडीहा में कुल चार स्थानों पर शराब की बिक्री हो रही है। उसके बाद भी आबकारी विभाग मूकदर्शक बना हुआ है। इस संबंध में सीओ रघुराज ने बताया कि युवक पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बुलंदशहर में फूफा-भतीजे हत्याकांड का खुलासा, 2 गिरफ्तार

बुलन्दशहर। उत्तर प्रदेश की बुलंदशहर पुलिस ने फूफा-भतीजे की हत्या के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद किया।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार ने बताया कि 31 मार्च थाना कोतवाली नगर के मौहल्ला ब्रह्मपुरी निवासी राजीव गर्ग अपने फूफा सुधीर अग्रवाल के साथ एआरटीओ आफिस स्थित जनसेवा केन्द्र से किसी कार्य के लिए निकले थे मगी घर नही पहुंचे। एक अप्रैल को दोनो के शव थाना कोतवाली देहात स्थित अड़ोली नहर के पास मिले थे।

इस मामले के खुलासे के लिये पांच टीमों का गठन किया गया था। जांच में ऋषभ व उसके दोस्त तनु का नाम प्रकाश में आया जिनको आज स्वाट टीम व थाना कोतवाली देहात पुलिस टीम ने गिरफ्तार कर लिया और उनकी निशानदेही पर अडौली नहर से आलाकत्ल चाकू, मृतक की स्कूटी, मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

ऋषभ ने पूछताछ पर बताया कि मृतक राजीव पर उसके 80 हजार रुपये उधार थे तथा कुछ महीने का वेतन भी नहीं मिला था।

राजीव से उसने कई बार अपने रुपये मांगे थे लेकिन वह दो-चार दिन में देने की बोलकर टाल देता था। करीब डेढ़ माह पहले दोनों में इसी बात को लेकर कहासुनी हो गयी थी। इस बात को लेकर वह क्षुब्द व बेहद आक्रोशित था ।

राजीव अपने पास आने वाले लोगों को अपने पास रखें एक रहस्यमयी सिक्के के बारे में बताया करते थे जो किसी को भी अकूत धन संपत्ति से मालामाल कर सकता है।

वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

विशाल इंडिया संवाददाता

ललितपुर । बानपुर पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार व क्षेत्राधिकारी महरौनी अजय कुमार के निकट पर्यवेक्षण में वांछित/वारण्टी अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना बानपुर पुलिस द्वारा थाना पर पंजीकृत मु0अ0स0 75/2024 धारा 354/376 भादवि व 3/4, 7/8 पाक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त कमलापत कुशवाहा पुत्र ग्यासी कुशवाहा उम्र करीब 26 वर्ष निवासी मऊघाट जनपद टीकमगढ म0प्र0 को मुखविर की सूचना पर कैलगुवा तिराहा के पास टीकमगढ जाने वाली रोड पर गिरफ्तार किया गया । गिरफ्तार अभियुक्त को माननीय न्यायाल के समक्ष भेजा जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम विनोद कुमार मिश्र प्रभारी निरीक्षक उ0नि0 अनुज कुमार का0 मनीष कुमार का0 प्रशान्त कुमार का0 रविन्द्र कुमार आदि शामिल रहे।

गावों के चौराहों, खेतों और सार्वजनिक जगहों को निराश्रित गौवंशों ने बनाया ठिकाना

विशाल इंडिया/ब्यूरो

सीतापुर। सरकार के लाख प्रयासों के बावजूद निराश्रित गौवंशों का कहर थमने का नाम ही नहीं ले रहा है। इन निराश्रित गौ वंशों की वजह से आए दिन लोग असमय काल के गाल में समाते चले जा रहे हैं। सरकारी प्रयास लगातार निष्फल होते जा रहे हैं और गौवंशों के रखरखाव में होने वाला आधे से अधिक बजट जिम्मेदारों की जब में समाता हुआ दिखाई देता है।

इन गौवंशों को दिन में आराम से खेतों में विचरण करते हुए देखा जा सकता है गौ वंशों के खेत में होने पर लोग अपनी फसल की रक्षा के लिए खेत में जाने से भी कतराते रहते हैं क्योंकि यह गौवंश इतने उद्दंड हो जाते हैं कि पलक झपकते ही यह हमलावर हो जाते हैं। यही गौवंश शाम ढलते ही अपना ठिकाना हाईवे सहित अन्य मार्गों को बना लेते हैं जिससे हर समय हाईवे पर निकलने वाले लोगों के ऊपर मौत का साया मंडराया करता है।

ऐसा भी नहीं है कि इन गौ वंशों के कहर से एक क्षेत्र ही प्रभावित हो बल्कि पूरा जिला प्रभावित है यह कहना गलत ना होगा कहीं ना कहीं इसका असर आने वाले सामान्य लोक सभा निर्वाचन 2024 पर भी पड़ सकता है। इसी श्रृंखला में शाहपुर भदफर क्षेत्र के लोग इन निराश्रित गौवंशों के आतंक से इतना परेशान है कि गांव के लोग खेतों में जाने से भी डरते हैं। आपको बताते चले कि निराश्रित गौवंशों का सार्वजनिक खुली जगहों से लेकर मुख्य हाईवे तथा सड़क के तिराहा,चौराहा पर इतना जमावड़ा लगा रहता है। दिन तथा रात में किसानों के खेतों में पहुंच कर किसानों के खून पसीने की गाढ़ी कमाई से तैयार की गई फसलों को पल भर में नष्ट कर देते हैं और कहीं कहीं ऐसा भी देखने को मिला है आवांरा सांडों द्वारा किसान की जान भी चली जाती है जिससे क्षेत्रीय किसानों में जिम्मेदारों की उदासीनता को लेकर खासा आक्रोश व्याप्त हो रहा है।

लहरपुर भदफर मार्ग पर जिंदबाबा स्थान के पास निराश्रित गौवंशों का आतंक इस कदर बढ़ चुका है कि अब आने जाने वाले वाहनों से आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं किसानों से लेकर सड़कों पर चलने वाले दो पहिया चार पहिया वाहनों से टकराकर ना जाने कितने लोग असमय काल के गाल में समा गए कुछ गंभीर रूप से चोटिल होकर अपाहिज हो गये। लेकिन जिम्मेदार लोग इन निराश्रित गौवंशों पर अंकुश लगाने में निरंकुश साबित हो रहे है।

हां जब कोई उच्चधिकारी व कोई राज नेता आता है तो तत्काल प्रभाव से कर्मचारियों द्वारा धक्का लगा लगाकर सभी निराश्रित गौवंशों को मुख्य मार्ग से हटा दिया जाता है।

खाऊ कमाऊ नीति के तहत जिम्मेदार मौन हैं जबकि उत्तर प्रदेश शासन की तरफ से प्रशासन को निराश्रित गौवंशों को उनके ठिकाने पर पहुंचाने के लिए निर्देशित भी किया जाता है लेकिन जिम्मेदारों के कान में जूं तक नहीं रेंगता किसानो के दर्द को कोई नहीं देखता। सभी लोग अपनी अपनी जेबों का वजन बढ़ाने में लगे हुए हैं।

देखना अब यह है जिम्मेदार लोग इन निराश्रित गौवंशों को उनके चयनित स्थान पर पहुंचा कर किसानों के साथ-साथ आम जनमानस के जीवन की रक्षा के लिए कोई पहल करेंगे।

एआई इनफ्लूएंसर से लोगों में मची खलबली, लग रहा एआई से नौकरियां गंवाने का डर

मैड्रिड । स्पेन के एक टीवी शो में एल्बा रेनाई नाम की एक आकर्षक डिजिटल इन्फ्लूएंसर को लोकप्रिय रियलिटी शो सर्वाइवर के स्पेनी संस्करण के खास हिस्से का प्रस्तुतकर्ता बनाया जा रहा है। यह लोकप्रिय इन्फ्लूएंसर वास्तव में कोई इंसान नहीं है, बल्कि आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस से तैयार की गई है। इससे लोगों लगने लगा है कि एआई लोगों की नौकरी खाने वाला है। एल्बा को पिछले साल के अंत में टेलीविजन की बड़ी कंपनी मीडियासेट स्पेन के उपक्रम 'बी अ लायन' ने बनाया था। हाल ही में उसकी लोकप्रियता बहुत ही अधिक बढ़ गई है और वह इंटरनेट सेलिब्रिटी बन गई है। पूरी तरह से इंसान दिखाई देने वाली इस इंफ्लूएंसर को एक ऐसे अवतार के तौर पर बनाया गया है जो ज्यादा से ज्यादा लोगों को आकर्षित कर सके। प्रयोग पूरी तरह से सफल रहा है और एल्बा के एक हजार से अधिक फॉलोअर्स हैं। सोशल मीडिया मंच पर एल्बा ने ऐलान किया कि वह स्पेनिश टीवी पर आर रही है। कुछ ही सेकेंड का उसका यह वीडियो वायरल होते देर ना लगी। इस क्लिप में लोगों ने हर तरह की प्रतिक्रियाएं दी। इनमें कई लोग ऐसे भी थे जो नहीं जानते हैं कि एल्बा वास्तविक इंसान नहीं है। वहीं कई लोगों ने इस बात पर चिंता जताई कि एक डिजिटल अवतार इंसानी नौकरियों को खा जाएगा। एशिया में कई देश इस तरह के न्यूज एंकरों के साथ ऐसे प्रयोग कर रहे हैं। दूसरी तरफ 'बी अ लायन' ने फैंस को आश्वस्त किया है कि एल्बा किसी की नौकरी के पीछे नहीं है। कंपनी के ब्राडेड कंटेंट एंड एक्सपीरियंस के निदेशक लुइस मोविला का कहना है कि मानवीय हुनर बदला नहीं जा सकता है और कंपनी का ऐसा करने का कोई इरादा नहीं है। मोविला ने कहा कि एल्बा किसी की नौकरी छीनने नहीं आई है। वास्तव में वह ज्यादा रोजगार पैदा करने के मदद कर रही है। उसके काम के पीछे बहुत से लोग लगे हैं।

कैलिफोर्निया पुलिस ने अपहरण पीड़िता को मारी गोली, मौत

कैलिफोर्निया। कैलिफोर्निया पुलिस ने एक 15 वर्षीय अपहरण पीड़िता की गोली मारकर हत्या कर दी, जब वह अपने अपहरणकर्ता पिता से बचने के लिए पुलिस की ओर बढ़ी इस दौरान उसे गोली मार दी गई। घटना सितंबर 2022 की बताई जा रही है जिसका वीडियो अब वायरल हो गया है जिसे देखकर लोग सकते में हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार सवाना को उसके पिता एंथोनी जॉन ग्राज़ियानो ने अपनी पत्नी ट्रेसी मार्टिनेज की हत्या करने के बाद अपहरण कर लिया था। एंथोनी की कार को जब पुलिस ने रोक और नीचे कार से बाहर आने का इशारा किया जैसे ही सवाना कार से निकली और पुलिस के निदेशों का पालन कर रही थी तभी पुलिस अधिकारियों ने उसे गोली मार दी। जबकि एक अधिकारी लगातार विनती करता रहा, उसे गोली मारना बंद करो! वह कार में है! रुको! वह ठीक है! वह कार में है! ...रुको! वीडियो लगभग दो साल बाद जारी किया गया क्योंकि शेरिफ के प्रतिनिधियों ने इसकी रिलीज पर रोक लगा दी थी। पुलिस ने पहले दावा किया था कि 15 वर्षीय सवाना को गोली मार दी गई थी क्योंकि उसने सामरिक उपकरण पहने हुए थे और जवाबी फायरिंग की थी। हालांकि, रिपोर्ट के अनुसार, फुटेज से यह साबित होता है कि वह कोई हथियार नहीं ली हुई थी। अधिकारियों ने कहा कि सैन बर्नाडिनो काउंटी के प्रतिनिधियों ने एंथोनी ग्राज़ियानो के ट्रक को रोकने की कोशिश की, जब उनके पिता ने उन पर गोलीबारी की, जिनके पास अर्ध-स्वचालित हथियार था। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस ने दावा किया कि सवाना वाहन से गोलीबारी भी कर रही होगी। 15 साल की सवाना फिर कार से बाहर निकलती है और एक अधिकारी रेडियो पर कहता है, लड़की बाहर है। वह नीचे झुकती है लेकिन तेजी से अधिकारियों की ओर बढ़ने लगती है तभी अचानक गोली चलने की आवाज आती है और फुटेज में ग्राजियानो का शरीर धुंधला हो जाता है। एक नए हवाई फुटेज से पता चलता है कि सवाना धीमी गति से चल रही थी और उसकी पोशाक स्पष्ट नहीं थी। लड़ाई के दौरान एक डिप्टी को छर्रे लगने से चोट लग गई. अधिकारियों का सुझाव है कि सवाना ने भी गोलीबारी की होगी, लेकिन इसकी जांच की जा रही है। घटनास्थल पर हथियार, बारूद पाए गए। सवाना की घटनास्थल पर ही गोली मारकर हत्या कर दी गई। सवाना के चाचा ने कहा कि पुलिस को बेहतर प्रशिक्षण की जरूरत है ताकि निहत्थे लोगों को न मारा जाए। उन्होंने कहा उसे मरना नहीं था। ग्राज़ियानो ने पहले सवाना की मां मार्टिनेज़ को भी गोली मार दी थी।

इमरान की पार्टी ने छह अप्रैल को होने वाली रैली रद्द की

इस्लामाबाद । पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने धार्मिक कारणों का हवाला देकर शनिवार को होने वाली अपनी रैली को रद्द करने की घोषणा की। यह रैली पार्टी संस्थापक इमरान खान की जेल से रिहाई की मांग को लेकर की होनी थी, जो विभिन्न मामलों में दोषी ठहराने के बाद से पिछले साल अगस्त से जेल में बंद हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने अपनी पार्टी के समर्थकों को सूचित किया कि यह फैसला 'लैलत-उल-कद्र' के कारण लिया गया है। रमजान के महीने में आने वाली 'लैलत-उल-कद्र' की रात को बहुत अहम मानता है और पूरी रात जागकर इबादत करता है। उन्होंने समर्थकों से इमरान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी सहित पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं तथा नेताओं की रिहाई एवं सुरक्षा के लिए दुआ करने की भी गुजारिश की। पिछले महीने, पीटीआई ने 71 वर्षीय खान की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए परेड ग्राउंड में एक बड़ी रैली करने की घोषणा की थी।

आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस पर 710.2 बिलियन वॉन खर्च करेगा दक्षिण कोरिया

सियोल । दक्षिण कोरिया लोगों के जीवन में आर्टिफिशयल इंटेलिजेंस लाने के लिए 710.2 बिलियन वॉन खर्च करेगा। विज्ञान मंत्रालय ने इसकी जानकारी दी। विज्ञान मंत्रालय के मुताबिक, एआई रणनीति के लिए गठित सरकारी पैनल ने मुद्दे पर अपनी पहली बैठक बुलाई, इसमें 69 एआई परियोजना को मंजूरी दी गई। लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए 18 कार्यक्रमों पर लगभग 75.5 बिलियन वॉन खर्च किए जाएंगे, 288.1 बिलियन वॉन 24 कार्यस्थल-संबंधित परियोजनाओं के लिए और 115.7 बिलियन वॉन 14 सार्वजनिक प्रशासन के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, 230.0 बिलियन वॉन को एआई एजुकेशन के लिए अलग से आवंटित किया गया है। मंत्रालय ने कहा कि सरकार सार्वजनिक सेवाओं में एआई का लाभ उठाना चाहती है, जिसमें विकलांग व्यक्तियों के लिए सूचना और संचार सहायता का वितरण, स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का प्रावधान और दृष्टिहीन परिवारों के लिए सहायता शामिल है। सरकार का लक्ष्य कानून, चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक परामर्श जैसे क्षेत्रों के लिए विशेष एआई सेवाओं को विकसित कर विभिन्न उद्योगों में एआई को तैनात करना भी है।

इजरायली सेना रिजर्व सैनिकों के साथ हवाई रक्षा प्रणाली को मजबूत कर रही

यरूशलम । इजरायली सेना ने घोषणा की है कि वह ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच रिजर्व सैनिकों के साथ अपनी हवाई रक्षा प्रणाली को मजबूत कर रही है। इजरायली सेना ने कहा, आईडीएफ (इजराइल डिफेंस फोर्सेज) के हवाई रक्षा तंत्र में जनशक्ति बढ़ाने और रिजर्व सैनिकों को तैनात करने का निर्णय लिया गया है। ईरान ने सीरिया में ईरानी दूतावास पर इजरायली हवाई हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की कसम खाई थी। रिपोर्ट के अनुसार, हमले में सीरिया में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुभवी कमांडर मोहम्मद रजा ज़ाहेदी और उनके डिप्टी सहित सात ईरानी मारे गए थे। इस हमले के बाद मध्य पूर्व में तनाव और बढ़ गया। इजरायल ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

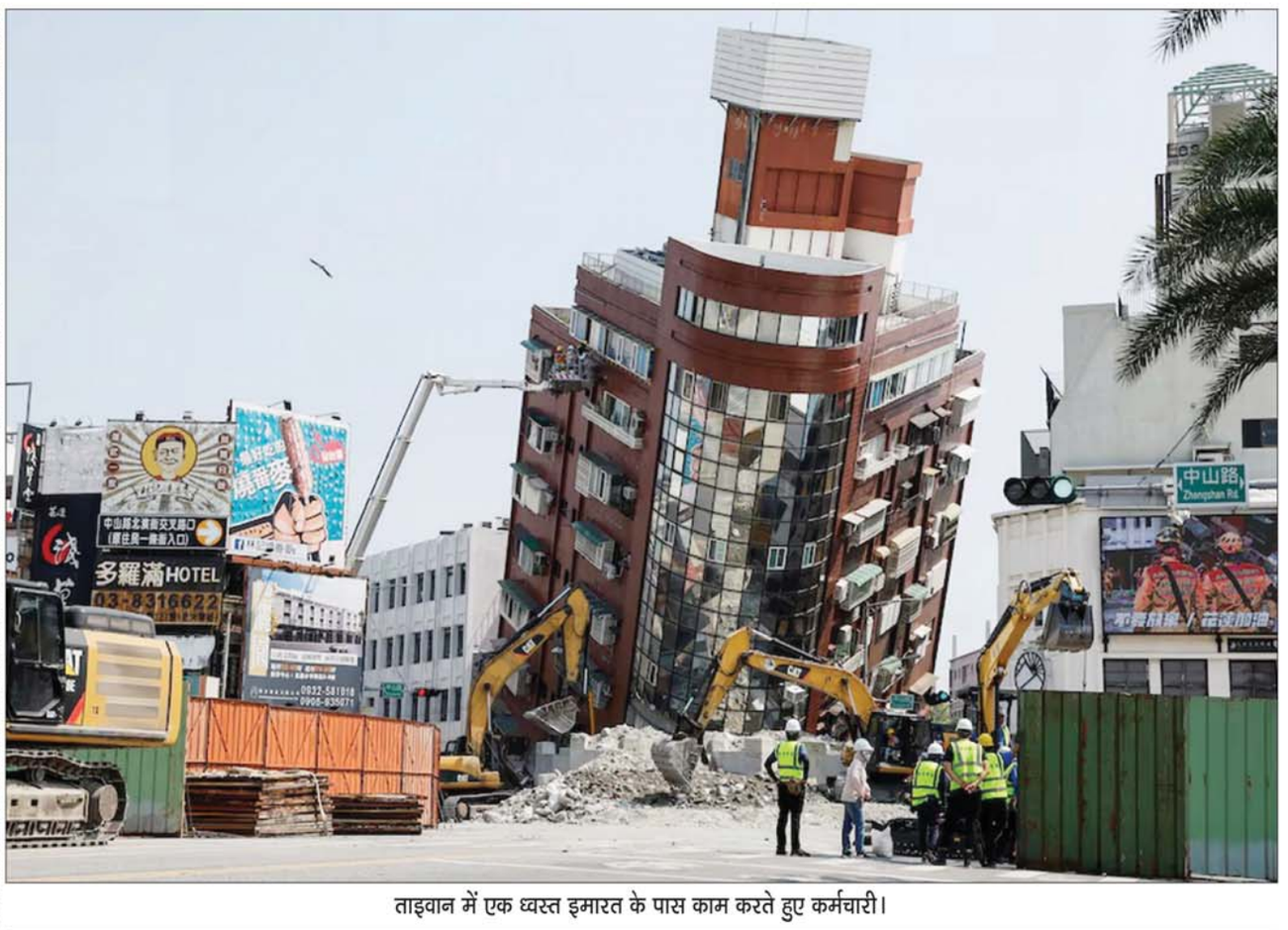

ताइवान में एक ध्वस्त इमारत के पास काम करते हुए कर्मचारी।

चीन ने अमेरिका को चेताया कहा- ताइवान रेड लाइन है उसे पार न करें

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने मंगलवार को अमेरिकी समकक्ष जो बाइडन से फोन पर बातचीत की। इस बातचीत में जिनपिंग ने बाइडेन से कहा कि ताइवान रेड लाइन है, जिसे अमेरिका को पार नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही जिनपिंग ने बाइडेन को चेतावनी दी कि चीन शांत नहीं बैठेगा। बता दें कि पिछले साल नवंबर में सैन फ्रांसिस्को में शिखर सम्मेलन के बाद दोनों नेताओं के बीच यह पहली बातचीत थी। हालांकि अमेरिका ने लगभग दो घंटे की बातचीत को रचनात्मक बताया। राष्ट्रपति ने ताइवान जलडमरूमध्य में शांति बनाए रखने पर जोर दिया। इसके अलावा बाइडेन ने रूस के रक्षा उद्योग के लिए चीन के समर्थन पर भी चिंता जताई। उन्होंने दक्षिण चीन सागर में कानून का शासन और नेविगेशन की स्वतंत्रता पर जोर दिया।

चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने राष्ट्रपति जिनपिंग और बाइडन की बातचीत के हवाले से कहा कि ताइवान की स्वतंत्रता अलगाववादी गतिविधियों और उनके लिए बाहरी समर्थन के सामने, चीन चुप बैठने वाला नहीं है। दोनों राष्ट्रपतियों ने अपनी बातचीत में व्यापार और टेक्नोलॉजी मुद्दों पर भी चर्चा की। बता दें कि अमेरिका ने चीन दबाने के लिए कई तरीके अपनाए और अधिक से अधिक चीनी संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। वहीं चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि जिनपिंग और बाइडन के बीच स्पष्ट बातचीत हुई। मंत्रालय ने बताया कि जिनपिंग ने चीन से अमेरिका के संबंधों को स्थिर होने की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों की तरफ से ध्यान देने की जरुरत है।

भू-राजनीति के क्षेत्र में मियर्सहाइमर ने की भारत की सराहना

- अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक ने भारत को एक महान शक्ति के रूप में वर्णित किया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राजनीतिक वैज्ञानिक जॉन जे. मियर्सहाइमर ने भारत को एक महत्वाकांक्षी महान शक्ति के रूप में वर्णित किया, जो संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन और रूस के बाद भूराजनीतिक क्षेत्र में सर्वाधिक तेजी से बढ़ रही है। नई दिल्ली में राइजिंग भारत समिट 2024 के एक सत्र के दौरान मियर्सहाइमर ने कहा कि एकल-ध्रुवीय चरण के दौरान संयुक्त राज्य अमेरिका सबसे शक्तिशाली देश था, जो 1991 में सोवियत संघ के पतन के साथ शुरू हुआ और लगभग 2010 के मध्य तक चला। यथार्थवादी दृष्टिकोण के साथ तर्क देते हुए उन्होंने कहा कि आज दुनिया बहुध्रुवीय है जहां महान शक्तियां प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। मियर्सहाइमर ने कहा कि 2017 तक व्लादिमीर पुतिन ने रूस को विनाश से बचा लिया था और रूस एक महान शक्ति के रूप में पुनर्स्थापित किया, इसी के साथ चीन भी 1990 के दशक और 21 वीं सदी के पहले 17 वर्षों के दौरान हुई सभी आर्थिक गतिविधियों के कारण एक महान शक्ति के रूप में उभरा। जियो-कैलकुलस- क्रैकिंग द कोड' शीर्षक वाले सत्र के दौरान, अमेरिकी विशेषज्ञ ने कहा कि दुनिया अब एक ऐसी प्रणाली में है जहां चीन, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका तीन महान शक्तियां हैं। यूक्रेन संघर्ष की भविष्यवाणी करने के लिए जाने जाने वाले प्रोफेसर मियर्सहाइमर ने सुरक्षा मुद्दों और अंतर्राष्ट्रीय राजनीति के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने सात पुस्तकें प्रकाशित की हैं, जिनमें 'द ट्रेजेडी ऑफ ग्रेट पावर पॉलिटिक्स' भी शामिल है। वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य की स्थिति के बारे में विस्तार से बताते हुए उन्होंने कहा कि चीन को हाल तक एक महान शक्ति नहीं माना जाता था क्योंकि उसके पास धन नहीं था, परन्तु उसके पास जनसंख्या का आकार था। भारत के पास निश्चित रूप से जनसंख्या का आकार है और यह साल दर साल और अधिक समृद्ध होता जा रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर समेत शीर्ष मंत्रियों ने दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को विश्वमित्र और एक संयोजन शक्ति बताया है। अपनी तीव्र आर्थिक वृद्धि और जनसंख्या के आकार के साथ भारत खुद को सबसे आगे मानता है, उसे महान शक्ति बनने के लिए किसी का पक्ष लेने की ज़रूरत नहीं है। मियर्सहाइमर ने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत एक प्रमुख शक्ति है और यह बहुत महत्वपूर्ण तरीके से उन तीन महान शक्तियों के बीच संघर्ष कर रहा है।

अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता से पत्रकार ने किया सवाल

- कांग्रेस, केजरीवाल, पन्नू पर बोलते हो, पाकिस्तान पर चुप क्यों?

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने प्रेसवार्ता में दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल, कांग्रेस के फ्रीज खातों और खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को लेकर बोले रहे थे तभी मिलर से एक पत्रकार ने सवाल किया कि वे केजरीवाल पर खूब बोलते हैं लेकिन, पाकिस्तान में विपक्षी नेताओं को जेल में ठूंसने पर चुप क्यों हैं? पहले तो पत्रकार का सवाल सुनकर मिलर सकपका गए थे। फिर उन्होंने दो लाइन में जवाब देकर कन्नी काटने की कोशिश की। मिलर ने कहा कि दोनों मामलों को एक रूप में नहीं देखा जा सकता। उन्होंने कहा कि वह उस चरित्र-चित्रण से सहमत नहीं हूं। हमने कई अवसरों पर इस बात पर जोर दिया है कि पाकिस्तान में भी कानून और मानवाधिकारों का सम्मान किया जाए।

बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान लंबे समय से जेल में बंद हैं और उनकी पत्नी बीबी बुशरा को भी घर में ही नजरबंद रखा गया है। इमरान खान पर कई मामलों में सुनवाई चल रही है। हाल ही में पाकिस्तान में हुए लोकसभा चुनाव में इमरान की पार्टी से समर्थित उम्मीदवारों ने सबसे ज्यादा 91 सीट जीती थी। लेकिन, बहुमत हासिल नहीं कर पाए। इमरान ने आरोप लगाया था कि नवाज शरीफ और पाकिस्तानी सेना ने मिलकर चुनावी नतीजों में धांधली की है।

बता दें कि जर्मनी और अमेरिकी सरकार की तरफ से केजरीवाल और कांग्रेस के फ्रीज खातों को लेकर की गई टिप्पणियों को लेकर भारत के विदेश मंत्री जयशंकर भड़क चुके हैं। उन्होंने एक बयान में कहा था कि किसी भी राष्ट्र को दूसरे राष्ट्र के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने मामले में जोर देकर कहा था कि इस पर दूसरे देशों को मर्यादा रखनी चाहिए। अगर ऐसा नहीं हुआ तो भारत अपने हिसाब के ऐक्शन लेगा। बता दें कि अमेरिका के केजरीवाल को लेकर दिए बयान के बाद विदेश मंत्रालय ने अमेरिकी राजनयिक को तलब किया था। अमेरिका ने कहा कि था वे अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस के फ्रीज खातों को लेकर चल रही घटनाओं के बाद लगातार भारत पर नजर रख रहे हैं।

अब हिली जापान की धरती, 6.3 तीव्रता वाला आया भूकंप

टोकियो (एजेंसी)। भूकंप ने ताइवान में तबाही के बाद अब जापान को हिला दिया है। जापान के होंशू के पूर्वी तट पर 6.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। जिसमें कोई जान माल के नुकसान की खबर नहीं है।

भूकंप विज्ञान केंद्र ने कहा कि गुरुवार को जापान के होंशू के पूर्वी तट पर 6.3 तीव्रता का भूकंप आया। भूकंप 32 किमी की गहराई पर स्थित था। टोक्यो में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने गुरुवार के भूकंप की तीव्रता 6.1 बताई है, जो 40.1 किलोमीटर की गहराई पर था।

बता दें कि जापान का अब तक का सबसे बड़ा भूकंप मार्च 2011 में जापान के उत्तर-पूर्वी तट पर समुद्र के अंदर 9.0 तीव्रता का था, जिसके कारण सुनामी आई थी जिसमें 18,500 लोग मारे गए थे या लापता हो गए। 2011 में आए भूकंप ने जापान के फुकुशिमा परमाणु संयंत्र में तीन रिएक्टरों को भी पिघला दिया था जिससे जापान की युद्ध के बाद की सबसे खतरनाक आपदा और चेरनोबिल के बाद सबसे गंभीर परमाणु दुर्घटना थी।

टेक्नोलॉजी के मामले में जापान कई देशों से आगे है। देश में बिल्डिंग्स बनाने के लिए सख्त नियम बनाए गए हैं, बिल्डिंग्स ऐसी बनाई जाए कि वह भूकंप का सामना कर सकें। लगभग 125 मिलियन लोगों का घर, द्वीपसमूह, हर साल लगभग 1,500 झटके का अनुभव करता है, जिनमें से ज्यादातर हल्के होते हैं।

आपको बता दें जापान आए भूकंप से एक दिन पहले यानी बुधवार को ताइवान में आए भयंकर भूकंप से कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई थी और एक हजार से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। ताइवान में आए 7.4 तीव्रता के भूकंप से दर्जनों इमारतें जमीदोज हो गईं और जापान और फिलीपींस तक सुनामी की चेतावनी जारी कर दी गई थी।

पाकिस्तान के पूर्व पीएम की सुरक्षा के मद्देनजर जेल में एक नहीं सात बैरक

-इमरान पर हर महीने हो रहे 12 लाख रुपए खर्च, सुरक्षा में 14 सुरक्षाकर्मी को तैनात

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और क्रिकेटर इमरान खान पिलछे साल से जेल में बंद हैं और उन्हें कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। वहीं पाकिस्तान की पंजाब सरकार ने लाहौर हाईकोर्ट को बताया कि अदियाला जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की सुरक्षा के लिए एक की बजाय सात कोठरियां दी की गई हैं। हाईकोर्ट पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता अफजल अजीम पहत की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। जिसमें कहा गया था कि रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अदियाला जेल में इमरान खान की जिंदगी पर मंडरा रहे कथित खतरों का जिक्र किया गया है।

सुनवाई के बाद अदालत के एक अधिकारी ने कहा कि पंजाब के एजीपी खालिद इशाक ने अदालत को बताया कि इमरान खान के लिए खास सुरक्षा इंतजाम के लिए उनकी कोठरी के अलावा छह और कोठरियां बनाई गई हैं। इस जेल में 10 कैदियों की सुरक्षा पर एक कर्मी तैनात है, जबकि इमरान खान की सुरक्षा के लिए 14 सुरक्षाकर्मी को तैनात किया गया है।

इशाकने अदालत को यह भी बताया गया कि जेल में खान की सुरक्षा पर लगभग 12 लाख रुपए खर्च हो रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की सुरक्षा के लिए अतिरिक्त सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं और विशेष रूप से उनके लिए खास रसोई में खाना पकाया जाता है और इसका रसोई का उपयोग किसी अन्य कैदी के लिए नहीं किया जाता है।

16 अप्रैल को होगी सुनवाई

याचिकाकर्ता ने कहा कि सुरक्षा खतरों के कारण, जेल अधिकारियों ने मुलाकात पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह कहते हुए कि जेल में पूर्व प्रधान मंत्री की जान को खतरा है, उन्होंने कहा कि खान को पूरी देने के लिए एक आदेश जारी किया जाना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश मलिक शहजाद अहमद खान ने मामले को 16 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया। इमरान खान पिछले साल अगस्त से कई मामलों के चलते जेल में बंद हैं।

इजरायल पर मुकदमा दायर करेगा ईरान : मोहम्मद

तेहरान । ईरान के कानूनी मामलों के उपाध्यक्ष मोहम्मद देहकान ने कहा है कि देश सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर घातक हमले के लिए इजरायल के खिलाफ मुकदमा दायर करेगा। देहकान ने बुधवार को तेहरान में एक कैबिनेट बैठक के मौके पर पत्रकारों से यह बात कही। उन्होंने सीरिया की राजधानी दमिश्क में वाणिज्य दूतावास की इमारत को नष्ट करने वाले मिसाइल हमले के लिए इजरायल के खिलाफ ईरान के कानूनी उपायों के बारे में विस्तार से बताया। इस हमले में कम से कम 14 मौतें हुईं। एक समाचार एजेंसी ने अर्ध-आधिकारिक समाचार एजेंसी के हवाले से बताया कि देहकान ने कहा कि इज़रायली हमले ने अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है।

ताइवान में आए भयंकर भूकंप से सेमीकंडक्टर चिप का कारोबार ठप

- दुनिया में पैदा हो सकता है संकट, इलेक्ट्रिक उपकरण भी हो सकते हैं महंगे

ताइपे(एजेंसी)। ताइवान में आए भूकंप ने देश में तबाही मचा दी है। भूकंप में कई लोगों की जान भी जा चुकी है और कई घायल अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं ऐसे में ताइवान में हुई तबाही ने दुनिया के लिए भी बड़ा संकट पैदा कर दिया है। देश में भूकंप के चलते चिप बनाने वाली कई कंपनियों के कारोबार पर असर पड़ा है और उन्हें अपनी यूनिट्स को दूसरी जगह शिफ्ट करना पड़ रहा है। ऐसे में सप्लाई प्रभावित होने से आपूर्ति में दिक्कत आ सकती है, तो वहीं ग्लोबल मार्केट में सेमीकंडक्टर की कीमतें भी बढ़ सकती हैं।

भूकंप ने बुधवार को ताइवान की राजधानी ताइपे को हिलाकर रख दिया। 7.2 तीव्रता के भूकंप के कारण कई ऊंची-ऊंची इमारतें ढह गई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार अब तक नौ लोगों की मौत हो चुकी है और एक हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। भूकंप की वजह से वहां बिजली सप्लाई ठप हो गई, तो ट्रेन सेवाएं और कंपनियों में कारोबार ठप हो गए हैं।

ताइवान वैश्विक चिप आपूर्ति में एक बड़ी भूमिका निभाता है, क्योंकि यहां दुनिया की सबसे बड़ी चिप निर्माता, ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी स्थित है, जो ऐपल और एनवीडिया को चिप्स की सप्लाई करती है। रिपोर्ट में बताया गया है कि स्मार्टफोन और एआई रनिंग सुपर कंप्यूटर को पावर देने वाले सभी चिप्स का लगभग 80-90 फीसदी हिस्सा ताइवान में ही तैयार किया जाता है। ताइवान में कई छोटे चिप निर्माता भी हैं, जिनमें यूएनसी, वैनगार्ड इंटरनेशनल सेमीकंडक्टर और पावरचिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग शामिल हैं।

सेमीकंडक्टर चिप सिलकॉन से तैयार की जाती है और इसका इस्तेमाल डाटा प्रोसेसिंग के लिए किया जाता है। इसलिए सेमीकंडक्टर चिप के बिना स्मार्टफोन और स्मार्ट कारों की कल्पना भी नहीं की जा सकती है । सेमीकंडक्टर चिप की उपयोगिता के बारे में बात करें तो अगर किसी वजह से सेमीकंडक्टर चिप का प्रोडक्शन कम हो जाए तो मोबाइल और कारों का प्रोडक्शन अपने आप कम हो जाता है। इसका नजारा दुनिया ने कोरोना महामारी के वक्त देख लिया है।

महंगे हो जाएंगे मोबाइल फोन-कंप्यूटर

सेमीकंडक्टर चिप को इलेक्ट्रॉनिक प्रॉडक्ट्स का दिल कहा जाता है। आपके पास जो स्मार्टफोन्स व कार, डाटा सेंटर्स, कंप्यूटर-लैपटॉप, टैबलेट, स्मार्ट डिवाइसेज से लेकर ऑटोमोबाइल तक में इन चिप्स का उपयोग होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, इसकी अहमियत का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि भारत में 2026 तक इसका बाजार 63 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। ताईवान में भयंकर भूकंप से पूरी दुनियाभर में सेमीकंडक्टर की सप्लाई पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है और इससे मोबाइल फोन, कंप्यूटर और दूसरे इलेक्ट्रिक उपकरण महंगे होने की संभावना है।

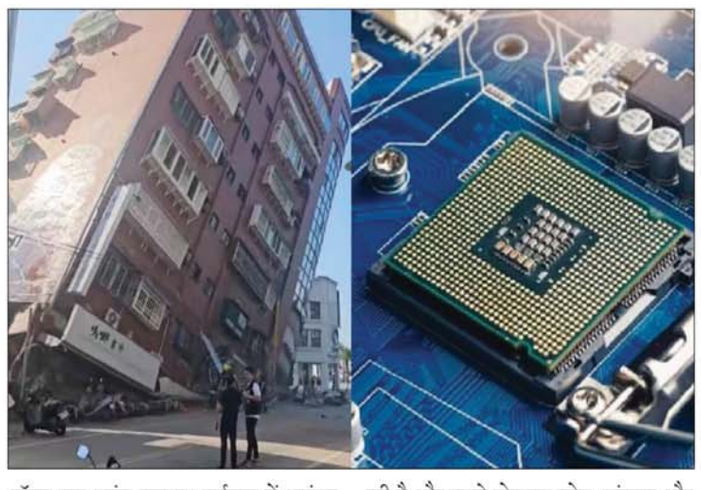

दिल्ली कैपिटल्स की धीमी ओवर गति के लिए ऋषभ पर 24 लाख रुपये जुर्माना

विशाखापत्तनम । आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की धीमी गेंदबाजी के लिए उसके कप्तान ऋषभ पंत पर जुर्माना जगाया गया है। दिल्ली ने बुधवार को यहां केकेआर के खिलाफ हुए आईपीएल मुकाबले में धीमी गति से गेंदबाजी की थी। ये दूसरी बार है जब दिल्ली ने धीमी गति से गेंदबाजी की है। इसी कारण उसके कप्तान पर 24 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। अब अगर ऋषभ की टीम तीसरी बार धीमी गति से गेंदबाजी करती है तो कप्तान पर 30 लाख के जुर्माने के साथ ही एक मैच का प्रतिबंध भी लग सकता है। ऋषभ पर अकेले ही जुर्माना नहीं लगा। उनरके साथ ही बाकि खिलाड़ियों पर भी जुर्माना लगा है। केकेआर के खिलाफ मैच में डीसी को सत्र में तीसरी बार हार का सामना करना पड़ा। कप्तान ने इस मैच में अच्छा प्रदर्शन किया पर उन्हें अन्य खिलाड़ियों से सहयोग नहीं मिला। बीसीसीआई ने खेल के बाद एक बयान जारी कर कहा कि दिल्ली द्वारा धीमी ओवर गति बनाए रखने के कारण कप्तान पर जुर्माना लगाया गया है। सीएसके के खिलाफ मैच में भी टीम ने धीमी गति से गेंदबाजी की थी। इसलिए ये जुर्माना 24 लाख रुपये कर दिया गया है। वहीं अन्य खिलाड़ियों पर 6 लाख रुपये या उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है।

पंजाब किंग्स ने गुजरात टाइटंस को तीन विकेट से हराया

अहमदाबाद। शशांक सिंह नाबाद 61 रन और आशुतोष शर्मा 31 रनों ने आखिरी ओवरों में धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए गुरुवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 17वें मुकाबले में पंजाब किंग्स को एक गेंद शेष रहते गुजरात टाइटंस पर तीन विकेट से जीत दिला दी है। पंजाब की चार मैचों में यह दूसरी जीत है।

200 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब किंग्स की टीम की शुरुआत खराब रही। उमेश यादव ने दूसरे ही ओवर में कप्तान शिखर धवन एक रन को बोल्ड कर पंजाब को पहला झटका दिया। उसके बाद छठें ओवर में जॉनी बेयरस्टो 13 गेंदों में

चार चौकों की मदद से 22 रन बनाकर पवेलियन लौट गये। उन्हें नूर अहमद ने बोल्ड आउट किया।

प्रभसिमरन सिंह ने 24 गेंदों में पांच चौके और एक छक्का लगाकर 35 रन बनाये। सैम करण पांच रन, सिकंदर रज़ा 15 रन और जितेश शर्मा 16 रन बनाकर आउट हुये। शशांक सिंह ने 29 गेंदों में छह चौके और चार छक्कों की मदद से नाबाद 61 जुटाये और आशुतोष शर्मा 17 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से 31 रन बनाये। हरप्रीत बराड़ एक रन बनाकर नाबाद रहे। पंजाब ने 19.5 ओवर में सात विकेट पर 200 रन बनाकर तीन विकेट से मुकाबला जीत लिया। गुजरात टाइटंस की ओर से नूर अहमद ने दो विकेट लिये।

संक्षिप्त समाचार

इस प्रकार से हार स्वीकार नहीं की जा सकती : पोंटिंग

खिलाड़ियों को लगायी फटकार

विशाखापत्तनम । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने कोलकाता नाइट राडर्स (केकेआर) के हाथों अपनी टीम की हार पर नाराजगी जतायी है। पोंटिंग ने कहा कि इस मामले में खिलाड़ियों से बात की जाएगी क्योंकि जिस प्रकार का प्रदर्शन टीम ने किया है उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है। टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी में नाकाम रही। इसी कारण 106 रन से बड़ी हार मिली। उन्होंने इस हार को निराशाजनक बताते हुए अपनी टीम को फटकारा है। इस मैच में दिल्ली कैपिटल्स के गेंदबाजों ने जमकर रन लुटाये जिससे केकेआर की टीम सात विकेट पर 272 रन बनाने में सफल रही। इसके बाद दिल्ली के बल्लेबाज 166 रनों पर ही सिमट गये। पोंटिंग ने कहा, 'अभी इस हार का आंकलन करना मुश्किल है। पहले हाफ में टीम के प्रदर्शन से मैं बहुत निराश हूं। उन्होंने कहा, 'इतने रन नहीं दिये जा सकते हैं। हमने 17 वाइड गेंद डाली और अपने ओवर पूरे करने में दो घंटे लगे। इसी कारण हम फिर दो ओवर पीछे रह गए जिससे अंतिम दो ओवर डालने वालों को सर्कल के बाद चार ही फील्डर मिले। उन्होंने कहा, 'मैच में बहुत कुछ हुआ जो कहीं से भी स्वीकार नहीं किया जा सकता है। हम टीम के भीतर इस पर बात करेंगे और जल्दी ही इसमें सुधार करेंगे। खुलकर अच्छी बातचीत होना जरूरी है। हमें सभी क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

इशांत की गेंदबाजी के सामने मुंह के बल गिर रसेल हुए बोल्ड

विशाखापत्तनम । आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज इशांत शर्मा के सामने आक्रमक बल्लेबाज आंद्रे रसेल की एक न चली। जो रसेल अपने बड़े शॉट लगाने के लिए जाने जाते रहे हैं। वह इस मैच में बेबस दिखे। उनका ये हाल भारतीय टीम से बाहर चल रहे इशांत ने किया। केकेआर की पारी के अंतिम ओवर में ईशांत ने रसेल को इस प्रकार बोल्ड किया जिसे वे हमेशा याद रहेंगे। जब केकेआर की पारी का 19वां ओवर समाप्त हुआ तो उसका स्कोर 5 विकेट पर 264 रन था. तब रसेल 18 गेंद पर 41 रन बना चुके थे। उनकी फार्म को देखकर प्रशंसक उम्मीद कर रहे थे कि वे 20वें ओवर में भी धमाके करेंगे पर ऐसा कुछ नहीं हुआ। इशांत ने उन्हें कोई अवसर न देते हुए पेवेलियन भेज दिया। इशांत ने अपने इस ओवर की पहली ही गेंद पर आंद्रे रसेल को क्लीन बोल्ड किया। 144 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से फेंकी गई ये यॉर्कर रसेल समझ ही नहीं पाये और मुंह के बल गिर गये वह उनका विकेट बिखर गया। इशांत शर्मा की यह गेंद अच्छी थी कि रसेल ने भी उसकी प्रशंसा की है। रसेल ने खड़े होकर इशांत की तारीफ में ताली बजाने के संकेत दिये। इशांत ने अंतिम बार नवंबर 2021 में खेला था। इसके बाद से ही वह भारतीय टीम से बाहर थे।

आईपीएल में आज आमने-सामने होंगे सनराइजर्स हैदराबाद और सीएसके

हैदराबाद ।

चेन्नई सुपर किंग्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के 17वां मैच में शुक्रवाकर को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में दोनो ही टीम जीत के इरादे से उतरेंगी। दोनो को ही अपने पिछले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। अब इनका लक्ष्य जीत की लय हासिल करना रहेगा। सीएसके ने 3 में से 2 मुकाबले जीते हैं पर पिछले मैच में उसे दिल्ली कैपिटल्स से हार का सामना करना पड़ा था। अब वह सनराइजर्स को हराकर अपना मनोबल बढ़ाना चाहेगी। हालांकि ये मुकाबला आसान नहीं रहेगा। सीएसके के नये कप्तान रूतुराज गायकवाड़ ने पिछले मैच में मिली हार के बाद यही कहा था। उन्हें और उनके सलामी जोड़ीदार रचिन रविंद्र को हालांकि घूमती गेंदों का सामना करने के लिये तैयार रहना होगा जिसमें वे दिल्ली के खिलाफ असफल रहे थे।

इस मैच में प्रशंसक पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को ऊपरी क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए देखना चाहते हैं। धोनी ने पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी की थी। हालांकि वह युवा शिवम दुबे और समीर रिजवी को अपने से आगे भेजेंगे। गेंदबाजी में चेन्नई को संयोजन पर विचार करना होगा क्योंकि टीम के तेज गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान इस मैच में नहीं खेल पाएंगे।अभी तक मुस्ताफिजूर और मथीषा पथिराना की जोड़ी सीएसके के लिये अच्छा प्रदर्शन कर रही थी। अब मुस्ताफिजूर की जगह मुकेश चौधरी ले सकते हैं क्योंकि शार्दुल ठाकुर ने अभी तक एक भी मैच नहीं खेला है। उसे सनराइजर्स के तूफानी बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर बनाने से रोकना होगा। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स हैदराबाद को घरेलू मैदान का लाभ मिलेगा। उसके बल्लेबाजों ने मुंबई के खिलाफ दूसरे मैच में आईपीएल के इतिहास का सबसे ज्यादा स्कोर बनाया था पर सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल के रन नहीं बनाने से टीम को नुकसान हुआ है। वहीं गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसके बल्लेबाज विफल रहे। गेंदबाजी की बात करें तो जयदेव उनादकट, मयंक मार्कण्डेय और भुवनेश्वर कुमार भी अब तक प्रभावी नहीं रहे हैं। भुवनेश्वर नयी गेंद से असफल रहे हैं। वह तीन मैचों में तीन ही विकेट ले सके हैं। कप्तान पैट कमिंस ने अच्छी गेंदबाजी की है पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला है। टीम की बल्लेबाजी ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन और एडेन मार्करम जैसे बल्लेबाजों पर आधारित रहेगी।

कुल मिलाकर देखा जाये तो मुकाबला रोमांचक रहेगा।

दोनों ही टीमों के अंतिम ग्यारह खिलाड़ी इस प्रकार हैं :

सनराइजर्स- ट्रेविस हेड, मयंक अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, एडेन मार्करम, हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), अब्दुल समद, शाहबाज अहमद, पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, मयंक मारकंडे, टी नटराजन

सीएसके-

रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, रचिन रविंद्र, शिवम दुबे, डेरिल मिचेल, एमएस धोनी (विकेटकीपर), समीर रिजवी, रवींद्र जडेजा, दीपक चाहर, मुकेश चौधरी, तुषार देशपांडे, मथीशा पथिराना।

अंगकृष आईपीएल में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले सातवें युवा खिलाड़ी बने

गुरु अभिषेक नायर ने निखारा

नई दिल्ली ।

युवा ऑलराउंडर अंगकृष रघुवंशी ने कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए आईपीएल मुकाबले में शानदार बल्लेबाजी कर सबका ध्यान खींचा है। अंगकृष ने आईपीएल की अपनी पहली पारी में ही शानदार अर्धशतक लगाया। इसके साथ ही वह आईपीएल में अर्धशतक बनाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बन गए हैं। अंगकृष के गुरु अभिषेक नायर हैं, जिन्होंने उसे निखारने में अहम भूमिका निभाई। अंगकृष ने 18 साल 303 दिन की उम्र में ही अर्धशतक लगा दिया। इसके साथ ही उन्होंने श्रीवत्स गोस्वामी के 17 साल पुराने रिकॉर्ड को चकनाचूर किया जिन्होंने 2008 में अपने आईपीएल डेब्यू पर 52 रन बनाये थे। रघुवंशी आईपीएल में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले सातवें युवा खिलाड़ी बन गये हैं। वह केकेआर के दूसरे सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इससे पहले शुभमन गिल ने केकेआर की ओर से 2018 में 18 साल और 237 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। वहीं रघुवंशी ने 25 गेंदों पर ही अर्धशतक लगा दिया।

मैच के बाद इस युवा बल्लेबाज ने कहा, 'अभिषेक नायर मेरे गुरु हैं. जिस तरह से उन्होंने मुझे अभ्यास कराया, कठिन हालातों में रखा वो मेरे अनुभव के लिए पर्याप्त था। जब मैंने अपनी पहली पारी खेली। वह मुझे हर प्रकार की सहायता करते थे। इसमें खाने-पीने से लेकर अभ्यास तक की।'अंगकृष का जन्म 5 जून 2005 को दिल्ली में हुआ था। वह 11 साल की उम्र में मुंबई चले गए थे। मुंबई में उन्होंने अभिषेक नायर और ओमकार साल्वी से क्रिकेट सीखा। वह मुंबई की ओर से घरेलू क्रिकेट खेलते रहे हैं। उन्होंने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के बल पर कुछ ही समय में टीम में अपनी जगह बना ली। 2022 अंडर 19 विश्वकप में इस युवा ने अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया।

ऋषभ के आक्रमक अंदाज से टी20 विश्वकप को लेकर भारतीय टीम प्रबंधन में उत्साह की लहर

विशाखापत्तनम ।

यहां केकेआर और दिल्ली कैपिटल्स के बीच हुए आईपीएल 2024 के मैच में भले ही दिल्ली को करारी हार का सामना करना पड़ा है पर इस मैच में अपनी आतिशी पारी से ऋषभ पंत ने प्रशंसकों का दिल जीत लिया। इस मैच में अपनी अर्धशतकीय पारी में ऋषभ अपने पुराने अंदाज में नजर आये। उन्होंने एक ओवर में ही चौके, छक्के लगाकर 28 रन बटोर दिये। इसे देखकर भारतीय टीम प्रबंधन को भी राहत मिली है। आगामी टी20 विश्वप को देखते हुए टीम प्रबंधन के लिए ऋषभ जैसे बल्लेबाज को फार्म में आते देखना सुखद अनुभव है। इससे इस साल जून में होने वाले टी20 विश्वकप के लिए भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज को लेकर जारी आशंका भी समाप्त हो जाएगी। ऋषभ ने जिस प्रकार से लगातार दूसरा अर्धशतक लगाया है उससे वह विश्वकप के लिए पसंदीदा खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। ऋषभ ने केकेआर के खिलाफ 25 गेंद पर ही 55 रन बना दिये। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 छक्के और 4 चौके लगाए।

ऋषभ ने वेंकटेश के एक ओवर में लगातार 2 छक्के लगा दिये। इसके बाद चार चौके भी लगाये।

टीम के 8 खिलाड़ियों ने जितने रन पूरे मैच में बनाए, उससे अधिक इस बल्लेबाज ने एक ही ओवर में बना दिये। उन्होंने विकेटकीपिंग भी अब तक शीर्ष स्तर की है। इससे विकेटकीपर बल्लेबाज के अन्य प्रतियोगियों को उन्होंने पीछे छोड़ दिया है।

न्यूजीलैंड ने पाक दौरे पर भेजी अपनी दूसरे दर्जे की टीम

अनुभवी खिलाड़ियों आईपीएल में हैं व्यस्त

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान दौरे के लिए अपनी बी टीम भेजी है क्योंकि उसके प्रमुख खिलाड़ी अभी भारत में इंडियन प्रीमियर लीग आईपीएल खेलने में व्यस्त हैं। इस सीरीज में न्यूजीलैंड के अधिकतर युवा खिलाड़ी ही भाग लेंगे। अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं खेलने के कारण ऑलराउंडर माइकल ब्रेसवेल को कप्तानी सौंपी गयी है जबकि उन्हें इसका अनुभव नहीं है। वह पहली बार टीम की कप्तानी करेंगे। अभी ट्रेंट बोल्ट, डेवोन कॉनवे, लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, डेरिल मिचेर, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिचेल सैंटनर और केन विलियम्सन जैसे अनुभवी खिलाड़ी आईपीएल में खेल रहे हैं। वहीं टिम, टॉम लाथम, विल यंग, कॉलिन मुनरो को भी अलग-अलग कारणों से इस दौरे से बाहर रखा गया है। कीवी टीम को पाक दौरे में पांच टी20 मैच खेलने हैं। टीम की कप्तानी कर रहे ब्रेसवेल भी चोटिल होने के कारण पिछले साल मार्च से ही टीम से बाहर थे। उन्होंने दो साल पहले ही अपना पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। उन्हें इस प्रारुप में केवल 16 मैचों का ही अनुभव है। न्यूजीलैंड की टीम में पिछले साल टी20 विश्व कप में खेलने वाले सात खिलाड़ी शामिल हैं। इनके अलावा टीम में बल्लेबाज टिम रॉबिन्सन और तेज गेंदबाज विल ओरूर्के के रूप में दो नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

आईपीएल 2024 : शीर्ष दस खिलाड़ियों की सूची में शामिल हुए ऋषभ और नरेन

विराट औरेंज कैप , मुस्तफिजुर पर्पल कैप के दावेदार बने

मुम्बई ।

आइपीएल 2024 में आरसीबी का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है पर उसके स्टार खिलाड़ी विराट कोहली सबसे अधिक रनों के साथ ही ऑरेंज कैप के सबसे बड़े दावेदार बनकर उभरे हैं। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और दिल्ली कैपियल्स के बीच हुए मुकाबले के बाद आईपीएल में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों की सूची में बदलाव आया है। इस मैच में शानदार प्रदर्शन कर दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत और केकेआर के सुनील नरेन भी शीर्ष दस खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं। वहीं शीर्ष पर कोहली का कब्जा बना हुआ है। कोहली ने अब तक चार मैचों में 140 की स्ट्राइक रेट और 67 की औसत से शानदार 203 रन बनाए हैं। वहीं दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग हैं, जिन्होंने तीन मैचों में 160 की स्ट्राइक रेट और 181 की शानदार औसत से 181 रन बनाए हैं। सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रामक बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन तीन मैचों में 219 की शानदार स्ट्राइक रेट और 83 की औसत से 167 रन बनाकर तीसरे नंबर पर हैं। ऑरेंज कैप के दावेदारों की शीर्ष टॉप 10 सूची में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत भी पहुंच गये हैं। ऋषभ ने केकेआर के खिलाफ मैच में केवल 25 गेंदों में ही शानदार 55 रन बनाए थे। वह अभी 152 रन और 158 की स्ट्राइक रेट तथा 38 की औसत के साथ चौथे स्थान पर हैं। वहीं दिल्ली के ही डेविड वार्नर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वार्नर ने अब तक खेले गए 4 मैचों में 143 की स्ट्राइक रेट और 37 की औसत से 148 रन बनाए हैं।वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सीएसके के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान सबसे अधिक विकेट लेकर पर्पल कैप की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं। उन्होंने 12 ओवर में 7 विकेट लिए और 106 रन दिए। वहीं पहली बार आईपीएल खेल रहे मयंक यादव 8 ओवर में 41 रन देकर 6 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के युजवेंद्र चहल 10 ओवर में 55 रन और 6 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर हैं। गुजरात टाइटंस के मोहित शर्मा चौथे स्थान पर हैं, जिन्होंने 12 ओवर में 93 रन देकर 6 विकेट लिए थे। दिल्ली कैपिटल्स के खलील अहमद पर्पल कैप की सूची पांचवें स्थान पर हैं। तीन मैचों में जीत के साथ ही केकेआर के 6 अंक हैं। राजस्थान रॉयल्स के भी इतने ही अंक हैं पर रन रेट के हिसाब से केकेआर शीर्ष पर पहुंच गयी है।

सुनील नरेन ने अपनी अच्छी बल्लेबाजी का श्रेरु साल्ट को दिया

विशाखापत्तनम । कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के सलामी बल्लेबाज सुनील नरेन ने कहा है कि साथी फिलिप साल्ट के कारण ही वह आक्रामक बल्लेबाजी कर पाते हैं क्योंकि सॉल्ट उनके ऊपर बने दबाव को हटा देते हैं। नरेन ने यहां अपने आईपीएल करियर का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया है। उन्होने 39 गेंदों पर 7 चौके और 7 छक्के लगाकर 85 रन बनाए जिससे उनकी टीम 272 रनों के स्कोर तक पहुंची। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम 106 रन से से मैच हार गयी। नरेन को अपनी शानदार बललबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। इसी के साथ ही वह केकेआर की ओर से सबसे अधिक 14 बार प्लेयर ऑफ द मैच का पुरुस्कार जीतने वाले खिलाड़ी बन गये हैं। इस प्रकार उन्होंने आंद्रे रसेल के 14 बार से खिताब जीतने की बराबरी कर ली। इस सूची में गौतम गंभीर के नाम 10 और यूसुफ पठान के नाम 7 बार ये खिताब जीतने का रिकार्ड भी है। नरेन ने कहा कि क्रिकेट पूरी तरह से बल्लेबाजी के बारे में है, इसलिए बल्ले से योगदान देना काफी अच्छा अनुभव है। साथ ही कहा कि मैं अपनी गेंदबाजी का भी आनंद लेता हूं। वही अबू धाबी नाइट राइडर्स के साथ निचले क्रम पर बल्लेबाजी करने को लेकर इस खिलाड़ी ने कहा कि वहां हमारे पास पर्याप्त बल्लेबाज होते थे। इसलिए उस समय मुझे पारी की शुरुआत करने की जरूरत नहीं पड़ी। वैसे भी हमें देखना होता है। उन्हें साल्ट के साथ बल्लेबाजी अच्छी लगती है क्योंकि वह उन पर से दबाव हटा देता है।

सूर्यकुमार आज मुंबई इंडियंस के कैंप में शामिल होंगे

नई दिल्ली । मुम्बई इंडियंस टीम के लिए राहत की खबर है। आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव के शुक्रवार तक टीम से जुड़ने की उम्मीदें हैं। ऐसे में सूर्या के रविवार को वानखेड़े स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ खेलने की संभावनाएं हैं। सूर्यकुमार राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) द्वारा फिट घोषित किए जाने के बाद 5 अप्रैल तक एमआई के शिविर में शामिल हो सकते हैं। मुम्बई की टीम जब ब्रेक के बाद जब शुक्रवार को मुंबई लौटेगी तभी सूर्या टीम में शामिल होंगे। सूर्यकुमार ने अंतिम बार प्रतिस्पर्धी क्रिकेट दिसंबर 2023 में भारतीय टीम के दक्षिण अफ्रीका दौरे के समय खेल था। उसके बाद से ही टखने की चोट के कारण वह टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने जोहान्सबर्ग में तीसरे टी20ई में 56 गेंदों में 100 रन बनाए थे। ये इस प्रारूप में उनका चौथा शतक था। ये सीरीज भारतीय टीम ने जीती थी। सूर्यकुमार को 2022 और 2023 के लिए आईसीसी पुरुष टी20आई प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी मिला था। उन्होंने 17 जनवरी को जर्मनी के म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी भी करायी थी। इस कारण भी वह काफी समय तक खेल से भी बाहर रहे थे। सूर्यकुमार के आने से मुम्बई टीम की बल्लेबाजी बेहतर होगी।

कैंसर से लड़ेंगी प्रतिरोधी कोशिकाएं

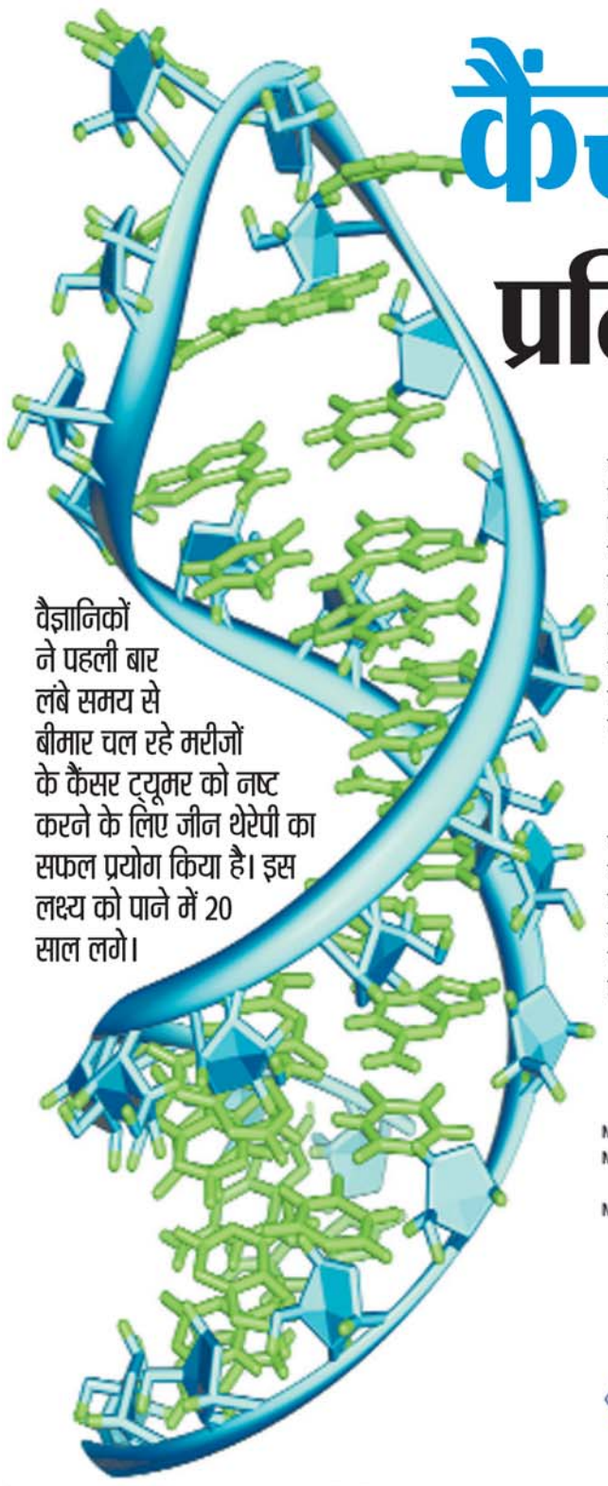

वैज्ञानिकों ने पहली बार लंबे समय से बीमार चल रहे मरीजों के कैंसर ट्यूमर को नष्ट करने के लिए जीन थेरेपी का सफल प्रयोग किया है। इस लक्ष्य को पाने में 20 साल लगे।

अमेरिका में पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पैथोजन से लड़ने वाले मरीजों की अपनी टी कोशिकाएं बनाईं, जिसका लक्ष्य ल्यूकिमिया कोशिकाओं की सतह पर मिले कणों से लड़ना था। बदली हुई टी कोशिकाओं को शरीर के बाहर विकसित किया गया और उसके बाद क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया से बीमार मरीजों के शरीर में वापस डाला गया। यह बीमारी खून और बोन मैरो को प्रभावित करती है और ल्यूकिमिया का बहुत आम रूप है।

परीक्षण का पहला चरण

नई थेरेपी की मदद से कैंसर के तीन मरीजों को जीवनदान मिला। इसने प्रतिरक्षी कोशिकाओं को ट्यूमर किलर में बदल दिया। पहले चरण के ट्रायल में भाग लेने वाले दो मरीजों की हालत पिछले एक साल से सुधर रही है। तीसरे मरीज के शरीर ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है और उसका कैंसर नियंत्रण में

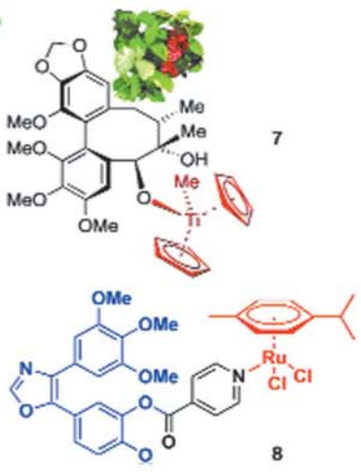

है। अगला बड़ा चरण शुरू करने से पहले शोधकर्ता क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया के शिकार चार और मरीजों का उपचार करना चाहते हैं।

विकास के दौर में

ट्रायल के नतीजों ने वैज्ञानिकों को हैरत में डाला, हालांकि जीन थेरेपी अभी भी विकास के दौर में है। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के पेरेलमन मेडिसीन स्कूल के डॉ. माइकल कैलोस के अनुसार हमने टी-सेल की सतह पर एक कुंजी डाली, जो उस ताले के साथ फिट बैठती है, जो सिर्फ कैंसर की सेलों में होता है। इलाज के नतीजे दूसरे प्रकार के कैंसरों के इलाज का भी रास्ता सुझाते हैं। इसमें फेफड़े और अंडाशय का कैंसर भी शामिल है। शोध के नतीजे न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसीन और साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसीन पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं। कैलोस ने कहा है कि एडॉप्टिव टी-सेल ट्रांसफर के नाम से जाने, जाने वाले पिछले प्रयास या तो इसलिए विफल हो गए कि टी-सेलों की प्रतिक्रिया बहुत कमजोर थी या फिर इसलिए कि वे सामान्य ऊतकों के लिए अत्यंत विषैले थे।

कैंसर इलाज की नई तकनीक

यह तकनीक कैंसर के इलाज की दूसरी तकनीकों से अलग है। यह ट्यूमर का मुकाबला करने के लिए शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को काम में लाती है। अब आप इम्यून रेस्पांस करवाने की कोशिश छोड़िए, हम आपको इम्यून रेस्पांस दे रहे हैं।

इलाज की नई प्रणाली सुरक्षित मालूम होती है, लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी और परीक्षण किए जाने की जरूरत है। पहले चरण के ट्रायल में ल्यूकिमिया के मरीजों को प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली दवा दी गई, क्योंकि लक्षित अणु सीडी 19 सामान्य प्रतिरक्षा सेलों पर भी होता है। जीन थेरेपी के लिए शोधकर्ताओं ने एक वायरस का इस्तेमाल किया, जो कोशिकाओं को सिर्फ एक बार संक्रमित कर सकता है। लगभग दो सप्ताह बाद मरीजों ने ट्यूमर लाइसिसि सिंड्रोम का अनुभव करना शुरू किया। इसमें कंपकंपी, मितली और बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं, जो कैंसर की मरती कोशिकाओं से पैदा होने वाले उत्पादों के कारण पैदा होते हैं।

नए टी-सेल

नए विकसित टी-सेल बाद के कई महीने तक मरीजों के खून में पाए गए। उनका एक हिस्सा मेमोरी सेलों में बदल गया, जो कैंसर के फिर से होने से सुरक्षा कर सकता है। पोर्टलैंड ओरेगन के कैंसर सेंटर के डॉ. वाल्टर ऊरबा चेतावनी देते हैं कि सक्रिय टी-सेलों और मेमोरी सेलों की उपस्थिति दूसरे प्रकार के कैंसरों के लिए समस्या पैदा कर सकती है, जहां सामान्य कोशिकाओं पर विषैला असर और गंभीर हो सकता है। जीन थेरेपी के ट्रायल पर सारा खर्च शैक्षणिक समुदाय से आया है।

फेफड़ों के कैंसर को रोकेगी जालकोरी

फेफड़ों के कैंसर की नई दवा जालकोरी उपयोगी साबित होगी। अमेरिका के औषधि प्रशासन विभाग ने गोली को मंजूरी दे दी है।

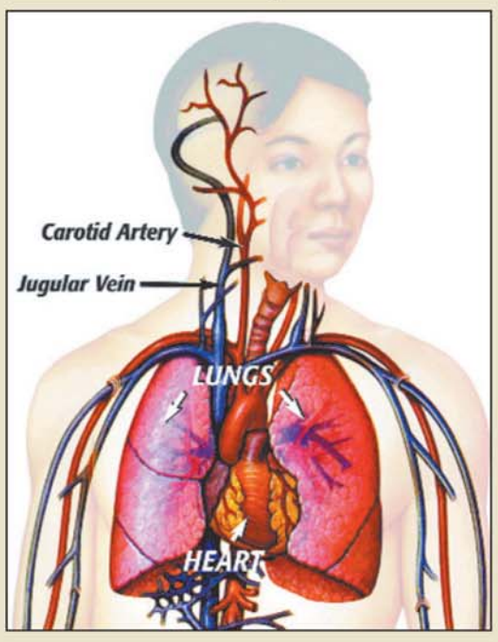

अमेरिका के खाद्य एवं औषध प्रशासन ने फेफड़ों के कैंसर से बचाव करने और ट्यूमर के विकास को रोकने वाली दवा को मंजूरी दी है। जालकोरी नामक यह गोली जीन पर हमला कर उपचार करती है। प्रमुख दवा कंपनी फाइजर द्वारा निर्मित जालकोरी नामक यह गोली कैंसर पीड़ितों के शरीर में जीन पर हमला कर उपचार करती है। इससे उन कैंसर मरीजों का इलाज संभव होगा, जिनके शरीर में एक असाधरण जीन मौजूद होती है, जिससे कैंसर कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर विकसित होता रहता है। येल विश्वविद्यालय में कैंसर चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. रॉय हर्बस्ट का कहना है यह एक आणविक चिकित्सा का उदाहरण है। अब ऐसी थेरेपी विकसित हो चुकी है, जो कीमोथेरेपी से भी बेहतर है और ट्यूमर को खत्म करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) का कहना है कि करीब तीन चौथाई रोगियों की जांच ट्यूमर विकसित होने के बाद हो पाती है। साथ ही इनमें से मात्र छह प्रतिशत लोग पांच साल तक जीवित रह पाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जालकोरी फाइजर के लिए एक ब्लॉकबस्टर उत्पाद सिद्ध हो सकता है। पिछले हफ्ते खाद्य एवं औषध प्रशासन ने एक और ऐसी दवा को मंजूरी दी है, जो जीन में परिवर्तन कर कैंसर का इलाज करती है।

बड़ी फिगर से खो सकती है याददाश्त

अगर आपके फिगर की मोटाई अधिक है तो आप सावधान हो जाइये। इससे आपकी याददाश्त भी जा सकती है।

एक नए शोध के अनुसार किसी महिला की फिगर उसकी याददाश्त को प्रभावित कर सकती है। अमेरिका में शोधकर्ताओं ने पाया कि बूढ़ी महिलाओं का वजन अधिक हो तो उनकी याददाश्त कमजोर होती है, लेकिन अगर नितंबों का वजन अधिक है तो यह याददाश्त को बहुत अधिक प्रभावित करती है।

अन्य बीमारियों का खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि कमर के आसपास वजन बढ़ने से कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियों के बढ़ने का खतरा रहता है। यह शोध जर्नल ऑफ द अमेरिकन गेरियाट्रिक्स सोसायटी में छपा है, जिसमें अच्छे दिमाग के लिए सही वजन होने की महत्ता बताई गई है।

वजन घटने से खतरा कम

हालांकि शोध में यह भी कहा गया है कि अगर नितंबों का वजन बहुत अधिक न हो यानी थोड़ा सा ही अधिक हो तो इससे दिमाग की सुरक्षा भी होती है। शोधकर्ता मानते हैं कि महिलाओं में पेट के आसपास जमा होने वाली वसा ओस्ट्रोजन हार्मोन बनाती है, जिसका बनना मीनोपॉज के बाद कम हो जाता है। ओस्ट्रोजन हार्मोन दिमाग के लिए मददगार होती है। यह शोध 65 से 79 साल की 8,745 महिलाओं पर किया गया। इन महिलाओं की याददाश्त की परीक्षा ली गई। इनमें से अधिकतर महिलाओं का वजन अधिक था और उनके बॉडी मास इंडेक्स का भी माप लिया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे जैसे बॉडी मास इंडेक्स बढ़ता है, वैसे वैसे उनकी याददाश्त कम होती जाती है। इस शोध में उन महिलाओं की याददाश्त सबसे खराब पाई गई, जिनकी कमर छोटी और नितंब बड़े पाए गए। शोधकर्ताओं के प्रमुख डॉ. डायना करविन का कहना था, हमें ये देखना होगा कि कौन सी वसा दिमाग को किस तरह प्रभावित करती है।

नए सेल्स नहीं बनने देती रेडियेशन थेरेपी

रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।

आयोनाइजिंग रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती । रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता ।

कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं –

- **कनफार्मल बीम तकनीक:** कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- **इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी** : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- **रेडियेसेंसिटाइजर्स:** यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- **रेडियोप्रोटेक्टर्स:** यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- **रेडियोइम्यूनोथेरेपी:** रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं । हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है ।

रोग की चिकित्सा

बाह्य / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं । आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है। चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है। चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा। थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है । यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है । यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता । ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है । सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है । अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है।

ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं । अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है ।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है । ऐसे दो तरीके हैं–

- **थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माडूलेटेड रेडियेशन** : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे ।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे । आपके निश्चित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं । इस जांच से ट्यूमर की स्थिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है। रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उलटियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादकः **जितेन्द्र चौधरी**, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in